A.C. Joshi Library
P.U. Chandigarh

MSS No. 462 Subject Padya Kavya

Name of MSS Bihari Satsae

Author

Period Folios 117

Script Devnagiri Source Kapoors, Jalandhar

Missing Folios

बिहारी

सतसई

30



ॐ श्रीगणेशायनमः॥ अथबिहारीसतसयालिषितं॥ दोहा॥ मेरीभवबाधाहरोराधानागरिसोइ जातनकीझांइपरैस्यामहरितदुतिहोइ॥ १॥ अथप्रथमराधाएनावका॥ लहलहातिततनतरुनईलचिलगलौंलफिजाय लगेलांककलोइनभरीलोइनलेतलगाय २ ननभूषननश्रैननहगनपगनमहावररंग नाहिसोभाकोसाजयहकहिवेहीकोअंग ३ पंचरंगरंगवेंदीषरीउठैऊमगिमुषजोति पहिरेंचीरचुनोटियाचटकचौगुनीहोति ४ तीजपरबसौतिनसजेभूषनबसनसरीर सबैमरगजेमुहककरीइहीमरगजेचीर ५ बेदीभालतमोरमुषसीससिलसिलेबार दृगआंजेराजैषरीसाजेसहजसिंगार ६ बालछबीलीतियनमैंबैठीआपछिपाय अरगटहीफानूससीपरगटहोतलषाय ७ कनदीबोसोप्योससुरबहूधुरहथीजान रूपरहचटेलगिपरोमांगनसकलजहान ८ लिषनबैठिजाकीसबिहिगहिगहिगरबगरूर भयनकेतेजगतमैचतुरचितेरेकूर ९ लोपरवारोउरबसीसुननबाधि

कैसुजान हंमोहनकेउरवसीकेउरवसी
समान २० मोहनधोतीसेतमैकनकव
रनननवाल सारदनारदवीन्नुरीभादद
कीजनलाल २१ रसीलहूकेलालहोल
विचहवालअनेप किनोमिवामहयो
ररैनेमलीनेरूप २२ वाहेचलिताहू
गनपरअलिर्घननभृगमीन आधीडी
ठचितौनिज्ञिहकिपलोलआधीन २३
छिनकरूचीलीवालवहजोलगिनहि
चनराइ रूषमहूचविहूचकीनोलोभूव
नजाइ २४ हंमोहनमनगड्रिरहीगाढी
गढनिगुवाल डेडसदानटसालसीसी
तिनकेहियसाल २५ चडुकहावतआ
पकोगरवैगोपीनाथ तौवदिहोजोरा
षिहोलाघनिरषिमनहाथ २६ तरहि
मषिहौहीलखौचढिनअटावलिवाल
तिनहिऊगेसमसिसमजिवेदैहेअरघ
अकाल २७ द्वियोअरथनीचेचलोसं
कटभानोजाय मुचितीकैमोरेसवस
सिहिविलोकेआय २८ डोरीलाईसुन

नकीकहिगोरीत्रुसकाम घोरीघोरीस
त्रुचैनैभोरीभोरीबात १९ नाकचढेसी
चीकरैजितेकचीलीछैल फिरिफिरिभ्र
लिवहेगहेपियककरीलीगैल २० नै
कोउहिनछुदीकरीहरषित्रुदीनमभा
ल उरतैबासकुचोनहीबासकुटहुला
ल २१ यटतितिकसिउचकोरल चि
चढतगोरभुजमूल मनहुटिगोलो
टनचढतचोटतऊचेफूल २२ चल
तभ्रमितभ्रमत्वेदकनकोलितभ्रेहत
शुभतैन बनविहारथाकीतरुनिब्रहे
यकापनैन २३ लैचुभकीचलिजात
तितजितजलकेलिअधीर कीजत
केसरनीरसेतितनतिकेसरनीर २४
हेरिहिंडोरेगगनतेपरीपरीसीहूट
धायधरीपियवीचहीकारीभरीरसलू
ट २५ धरजैहनीलच्चढेनासउवैन
लगाइ हटतकाटिदुमचीमचाकिलच
किलचाकिचचिजाइ २६ पियविकुर

नकोइसहइ षतरषजानणेसार इ
रजोधनहोदेषिघननननघानइहवा
र २७ ओओपावकालपदसीनिमहि
यसोलपदान त्योत्योकुहीउलावलो
ह्तिश्राश्रतिसियरान २८ फइलार
हारहिएलसेसनकोवैंदीभाल गाष
नषेतषरीषरीषरेडरोजनवाल २९
गोरीगदकारीपरेहमनकपोलनगा
इ केसीलसतगवाविकेसुनकिरवा
वीश्राडे ३० गडीऊडुंवकीभीरमेर
हीविगदेपीठ नऊपलकपरिजानइ
नमतजहसोहीझीठ ३१ गदरानेन
नगोरटीश्रेपनश्राडलिलार हस्रोदि
इयल्लाइहगकरेगयारिसुमार ३२ ॥
श्रोचुटकीत्योकरचलैओकरत्योही
नारि कविसोगतिसीलेचलीचातर
कानन्हारि ३३ श्रहेदहेडीजिनधरे
जिनतुलहिउतारि नीकोहैछीकोछु

पऐसेहीरहिनारि॥३४॥टटकीधोईधो
वनीचटकीलीसुषजोति॥लसमनरमोहकें
वगरजगरमगरदुतिहोति॥३५॥अथसि
घनषवर्नेनं॥ तत्रकेसवर्नेनं॥सहजस
चिकनस्यामरुचिसुचिसुगंधसुकुमार॥
गनततनमननमथकपयलषिविथुरेसु
घरेवार॥३६॥वेइकारथ्योगनिवहेथ्योरो
कौनविचार॥जिनहीडरथोमोहियोतिं
नहीसुरफेवार॥३७॥कुटेकुटावेजगततने
सटकारेसुकुमार॥मनबांधनवेनीवधे
नीलछबीलेवार॥३८॥कुटिलअलककु
टिपरतमुषवढिगोइतोउद्दोत॥वंकवका
रीदेतज्योदामरुपैयाहोन॥३९॥कचर
समेटिकरभुजउलटिषएसीसपटडारि॥
काकोमननांधेनयहजूराबाधनहारि॥
४०॥अथललाटवर्नेनं॥नीकोलसतल
लाटपरटीकोजटितजराय॥छबिहिव
हावनरविमनोससिमंडलमेआय॥४१

२

सवै सुहाए हीलगै वसे सुहाए गाम गो
रेमु हवै दील सै श्रहन पीन सित स्याम
४२ कहत सवै वैदी दिए आंक दस गुनौ
होत तिय लिलाट वैदी दिएँ अगनित
वढ़त उदोत ४३ भाल लाल वैदी दि
ए छुटे वार छवि देत गह्यो राहु अ
ति आह करि मनो ससि सिर समेत
४४ मिलि चंदन वैदी रही गोरे मु
ह न लषाय ज्यौं ज्यौं मद लाली चढै
त्यौं त्यौं उघरत जाय ४५ भाल लाल
वैदी ललित आषत रहे विराजि इं
दुकला कुज मैं वसी मनो राहु भय भा
जि ४६ पिय तिय सौ हसि कै कह्यो
लषे दिठौना दीन ॥ चंद मुषी मुष चं
द तै भलो चंद सम कीन ॥ ४७ ॥ अ
थ नेत्र वर्ननं ॥ रस सिंगार मंजन
किए कंजन भंजन दैन अंजन रंजन
हू विना षंजन गंजन नैन ४८ जी
गज्यु गन सिघ पल सै वैम नो म हासुनि

मैन चाहतनिपिषम्बैठतनाकान
नसेवतनैन ४९ घायकसम
घायकनयनरंगेत्रिविधरंगगा
न ऊषीविलषितुरिजानतजललल
विजलतानलजाल ५० घेलन
मिघण्ग्रालिभलेचतुरम्रहेरीमा
र बानननचारीनैनमृगनागारन
हानिमिकार ५१ वरजीतेसव
मैनकेमैमेटघेमैन हरिनीके
नैनानिनैहरिनीकेवनैन ५२
संगतिदोषलगेमबानिकाहिय
नसावेवैनकुटिलवंकभ्रूसंगके
कुटिलवंकगतिनैन ५३ दृग
मिलगतवेधतहियाहिविकल
करतमंगअंगध्यान पतेरेसवते
कठिनईक्कननीकनवान ५४
जेठजानिनसंगलेमत्तुसुलनि
कसैवैन याहीतेमानोकिप

बातनबोविधिनेन ५५ फिरिफि
रिहरनदेषियतानिचलेनेकरहैन
पलजनारेभोनपरवारनकाजाकीनेन
५६ सवम्रगकरिराषीसुधरनाय
बनेहसिषाइ रसजुतलेनभ्रनेनग
तिप्रुतरीपानुरवाइ ५७ मैचतिसी
चितवानिचितेभइयोरम्रुरसाइ फि
रिफुऊकनिकोभ्रगनधानिहगानिल
गानिम्रालाइ ५८ चम्रचमातवंच
लनघनविचधुंधरपंगीनं मानकु
सुरसरितासिमलजलऊकुलतजुग
मीनं ५९ फूलेफधकनलेफरीपल
कदाकुकरवार करतनचावतविचन
पनपायकथायहनार ६० मारीउ
रीलीलकीम्रोटम्रमूकतुवेन मोम
नमूगकरवरगहेम्रहेम्रहेरीनेन ६१
म्रारेम्रोपकनीनकोनिगनीधनीसि
रताज मनीधनीकेनेहवीवनीछनी
पटलाज ६२ जटितनीलमनिजगम

९

गनसीवसुहाईनाक॥मनोअलीचंपवाकली
वसिरसलेननिसाक॥ ६४ ॥वेधवाअनि
यारेनयनवेधनकानननेवेध॥वावरवेछौ
माहियोनुवनामाकोवेध॥ ६५॥जरदपिलो
गललितानऊनूनपहारुकस्याक॥सरसंक
वहिपहोहैचहीसीनाक॥ ६६ ॥अथअ
वणदर्शनं॥दोहा॥ लसतसेतसारीढप्यौ

ना नरलतरौंकान॥पकैामनोसुरसरिसलिल
रविप्रतिविंवविहान॥ ६७ ॥लसैसुगासनि
यअवनसोसुकनाद्युतिपाय॥मानोपरसक
पोलकोरहेसेदकनछाय॥ ६८ ॥ मालतिहै
नटसालसीकोहूनिकसतिनाहि॥मनमथ
नेजानोकसीखुभीखुभीमनमाहि॥ ६९ ॥र

५ झीनेपटमैझिलमिलीझलकतिस्रोनअपा
र॥सुरतरुकीमनोसिंधुमेलसतसपल्लवडा
र॥ ७० ॥अथकपोलवर्णनं॥नावनकन
ककपोलद्युतिविचहीवीचविकान॥लाल
लालचमकततुनीचोकाचिद्रूसमान॥ ७१॥
अथअधरवर्णनं॥ केसरमोतीद्युतिझलक
परीअधरपरआय॥चूनोहोइनचतुरतियकौ

परपैकोजाय ॥ ७२ ॥ **अथ दसन बर्ननं** ॥ नै
कहूँसोहीबाननतिलछोपारतसुहनीठ ॥ कै
काचमकनिचौधनैपरतचौंसीडीठ ॥ ७३ ॥
अथ चिबुक बर्ननं ॥ ऊचगिरिचढिस्रुनिथ
कितहूँचलीडीठसुहचाहि ॥ फिरिहूँरीपरि
रहीपरीचिबुककीगाह ॥ ७४ ॥ ललित
स्यामलीलाललनवटीचिबुककविहून
मधुछकेमधुकरपरेमनोगुलाबप्रसू
न ॥ ७५ ॥ डारेठोडीगाडगहिनयनबटोही
मार ॥ चिलकचौंधमेरूपठगहाँसीफाँसी
डार ॥ ७६ ॥ तोलखिमोमनजोलहीसोगति
कहीनजात ॥ ठोडीगाडगडोनयुउजोरहै
दिनरात ॥ ७७ ॥ **अथ मुख बर्ननं** ॥ सुरउदित
हूमुदितमनमुखसुखमाकीओर ॥ चितैरह
तचहूँघाचितैनिहचलचषनचकोर ॥ ७८ ॥
पत्राहीतिथिपाइएवाघरकेचहूँपास ॥ नि
तप्रतिपून्योरहैआननओपउजास ॥ ७९
छिप्योछबीलोमुहलसैनीलेआँचरचीर ॥
मनोकलानिधिझलमलैकालिंदीकेनीर ॥
८० ॥ **सोरठा** ॥ मंगलबिंदुसुरंगमुखससिके
सरआडगुरु ॥ इकनारीलहिसंगरसमय

कियलोचननजगान ८१ जरीकोरगोरेव
दनवटीघरीकुविटेघ लसनिमनोर
विजुरीकिठमारदससिपरिवेस ८२
अथग्रीवा घहिरनहीतोरगोरयोटै
रीडुनिलाल मनोपरासिपुलकितभ
ईमोलसिरीकीमाल ८३ घालमन
गोरेगोरैधसनिपानकीपीक मनोपु
लीवेदलालकीलाललालडुनिपीक ली
८४ अथहृदयवर्णनं उरमानककी
उरवसीरटनघटनहूगादाग कलकत
वाहाभमिमेनोनियहियकोअनुराग
८५ अथकुचवर्णनं डुगननकुचविच
कंचुकीचुपरीमारीसेन कविआक
नकेआणलोप्रानदहिघाईदेत ८६ भ
ईजुकविलनवसननमिलवानसकै
मनवेन आगाओपआगीडुरीआगीआ
गडोरेन ८७ अथकरवर्णनं गोरीभु
गुनीनघअरननकुलाससामकुविदेमु
लहिनमुकतिग्निलिपलकयहतेनाजि
वेनीमेड ८८ गडेवडेकुविकाककुं
विकिगुनीकोमकुटेन रहेसगंगागं

12

पि

गगिउहीनलटीमहटीनेमैन ४९ अ॰
थउदावर्णनं ञारउचाउधुधटकार
नउमाननपटगुरुरीट मुषमोटैलटी॰
लललनलषिललनाकीलीट ५०
अथकटिवर्णनं लागीश्चनलागी॰
त्रुविंकरीषरीकटिक्लीन किणममो
वेहीकमरकुचनितंवश्रतिपीन ५१
वरजैह्नीलठहैनामकुचैनमवाउ हू
टनिकटिडुमचीमचकिलचकिलच
किवचिजाउ ५२ अथनेषवर्णनं
नेषजुगललोउननिरेकोरेषरेविधि
मैन केलिनहननमषरैनणकेलिन
हनडुषटैन ५३ अथश्रुवी रचो
टीठहाहमगाहेमसिहगाचोनहर
गुहोनमनगुरचानित्रुभिभोचूरन॰
चपिचूर ५४ किचहाघलचिन
चाउलगिवज्निपायलनवपाय पु
निहनिहनिमुषमधुरधुनिकोन॰
लाललललचाय ५५ अथचर॰
नवर्णनं पगःपगामगश्रुगामन

पाइमहावरदेइकोंआपभईवेपाइ

13

पाननरनअम्ब्रुकनडुनिकुलि ॥ गोलगै
ललषियननडठेदुपहरियामेफूल ॥
९६ ॥ कोहरसीअैजीनुकीलालीदेषि
सुभाय ॥ पाइमहावरदेइकोनाइ
नवैठीआइ ॥ फिरिफिरिजानिम-
हावरीएडीमीडवि ॥ ९८ ॥ सोहन
सगुनापोइकेंअनवटजसोजराइ
जीन्योनरवनिदुतिसुठरिपरयोन
रनिमनोपाइ ॥ ९९ ॥ अथसुकुमा
रतावर्नते ॥ भूषनभारसभारिहे-
कोयहतननसुकुमार ॥ सूधेपाइन-
धरपरनसोभाहीकेभार ॥ १०० ॥ न
अकथरनहरिहियधरेनाजककम-
लावाल ॥ भवनभारभयभीनहूैघ
नचंदनबनमाल ॥ २ ॥ कालेप
रिवेकेडरनिसकैनहाथछुहाइ ॥-
ननकनिहिछगुलावकेक्रवाफवे-
यनपाइ ॥ २ ॥ मेथराजीकेवारन्ह

पखुरीलसीगुलाबकीगातनजानीजाइ

तकतलेनकौरद॥पखुरीगडैगुलाबकी
परिहैगातनषरोट॥३॥अरुनसरोरुहक
रचरनसुगुरीअंगुरितिसुकुमार॥चुवतसुरंग
अंगुरासनोचपिविदुवनकेभार॥४॥ष
अथगात चानवासहकुमारनार
वविधिरहीसमाइ॥५॥पहिरनभूषन
कनकेकेकहिआवनइहहेत।दरपन
केसेमोरचेदेहदिषाईदेत॥६॥मानोवि
धिनतनअछकुविमललगपवेकाज॥ह
गपगपेसतनकोकिएभूषनपाइनदा
ज॥७॥देषीसोनजुहीफिरतसोनजुही
सेअंग॥इतिलपटनपटसेनहूकात
विनोदीरंग॥८॥महजसेतपचतोलि
याघहातअतिकुविहोत॥जलचादर
केदीपलौंजगमगातनजोत॥९॥हो
सीजीलषिविकिहोंकुविहिकवीलेला
ल॥सोनजुहीसीहोतदुतिमिलतमा
लतीमाल॥१०॥कुसाकोसावारस

14

कैवंपवकिननकअनूप॥गातनरूपलषि॰
जातडरिजातनरूपकोरूप॥११॥वाहि॰
लयेलोइनलगैकोनजवनिकीजोति
जाकेननकीकाहहिगजोइकाहसीहो॰
त॥१२॥कहिलहिकोनसकैडुरीसो॰
नत्रहीमेजाइ॥ननकीसहजसुवासना
देतीजोनवताइ॥१३॥वाहाकुसम
कहावाहाकोमुदीकिनकव्यारसीजोति
जाकीउजराईलवेग्राषिउघरीहेति॥
॥१४॥कंचननननघनवातवररस्यो॰
रंगमिलिरंग॥जातीजातसुवासहीके
सालगीअंग॥१५॥अंगअंगननगज
गमगातदीपसिषासीदेह॥दिषावहा॰
हीहेवडेउजागेगेह॥१६॥हेवपराम
नमेरहीमिलिननमुकनामाल॥षि
नषिनधरीविचछुनोलषतिकुटनि
नेआल॥१७॥डीठनपरातममानड
तिवाननककतवोमेगात॥भूषनकार॰

16

नै
कमसेलगातपासपक्कोंजात ॥ १८ ॥ र
कानमलिनग्राह्लीकविहिहानजुमह
जविकास ॥ अंगानगअंगानिलयोजोर
आरसीउमाम ॥ १९ ॥ अंगअंगप्रतिविं
बपरिद्दरपनसेसवगात ॥ डहोरतिहो
चोहीभूषनजानेजात ॥ २० ॥ अंग
की अंगअंगकुविलपरउपरनजातग्रके
ह ॥ घतीपानरीऊनऊलोगोभरीसोदेह
॥ २१ ॥ अथमुग्धादिनाइका कुटी
नसिसुताकीकलककलकोजोवन
अंग दीपतिदेहडहलिमिलिमनडुता
कनारंग ॥ २२ ॥ निगतिखिनानिकि
सोरवयपुगपुकलसमदौन ॥ काष्ठपुर
एषनिपाउयनवेसिसंधिसंजोत ॥ र
र२ ॥ लालभोलवालाकईलघिल
घिसघीसिहाति ॥ आजुकाल्हमेदविय
नउरउवसोहीभाति ॥ २४ ॥ अपनेअं
गकेजानिकैजोवननृपतिप्रवीन ॥ न
नमननयननितंबकोवडोइजाफा र

कीन ॥ २५॥ देहइलहियाकीवहै
जोजैजोवनजोति ॥ त्यौंत्यौंल
खिसौतेसवैवदनमलिनदुतिहो
ति ॥ २६॥ भावककउभरौंहौभयोर
कछुकपरयोभरुआइ ॥ सीपहरा
केमिसहियेनिसदिनहेरनजाइ
२७॥ नवनागरितनमुलकलखि
जोवनआमिलजोर ॥ घटिनैव
ढिवढिघटिकरीकमकोरकीओ
र ॥ २८॥ आनेटानननवरपैदई
माकमनोमैन ॥ होडाहोडीवढ
विचलेचितचतराईनैन ॥ २९॥
ताहेहाहेजचलितिहिलितियहि
यकोठहराइ ॥ उकसौंहेहीतोहि
एदईसवैउकसाइ ॥ ३०॥ ज्योंज्यों

जोबननेरहिनउचमितम्रति
ग्रधिकानत ॥ मोमोछिनछि
नकछिरपाछीनपाननित
जात ॥ ३१ ॥ मानहुमुहदिबा
बनीडलरतिकरिम्रनगा । सा
म्रसरतनमनलालहूमेनिनदि
कम्रहाग ॥ ३२ ॥ निरखिनबोरा
नागिननखुरतलाकईलेस । भो
गोप्रीतमतियहिमनेचल
नपरदेस ॥ ३३ ॥ अथ मध्या बा
लेकीबातैचलीमनननमविन
केबोल ॥ गोरुजलोइनहमनवि
हसतजानकपोल ॥ ३४ ॥ बा
हतनेउराउजमकमिरितरुन
डविकामसबोरुनिमेनिनके

ह्रिण्ञावनकृथौडमास ॥ ३५ ॥ वाह
ननटननरीफनखिफन्न मिलनन खिल
नलजिनान ॥ भरैभोर मैकरन्निहैनै
नाहीमैवान ॥ ३६ ॥ करेचाह सोबुठ
किवैघौडझौहैमैन ॥ लाजदवाणना
फानकरनसूदमीनैन ॥ ३७ ॥ ममर
ममरसकोचवसविवसनहिकठ
हाडु ॥ फिरिफिरिउफकानिफिरिडु
रनिडुरिडुरिउफकानिश्याडु ॥ ३८ ॥
सत्तुविमरविपियनिकरनैप्रुल
किवाकुवाननतोरि ॥ काश्रवराकी
ओरहैजमुहीनीमुहमोरि ॥ ३९ ॥
अथ प्रौढा दोहा ओजैपोञ्ञावननि
करनिसिंयोत्योघरीडनाल ॥ कम
किकमकिठहलैकौलगीरहचटैवा
ल ॥ ४० ॥ कुविकुविकफपकोहैप
ललनफिरिफिरिजिरिजिनसुञाडु ॥

ज्ञान वियोग मतीद् मिसदी सब आली
उहाइ ॥ ४१ ॥ भौंह नचाम तिमुहनठ ति
आखित मोल पठाति । अेचिक्कुडा बजन
का रहन्ती आगे आवति जानि ॥ ४२ ॥ अ
थ स्वाधीनपतिका ॥ तुन हाई सब दो
लमै हीज सो तिव हाइ ॥ सुनै अेविप्यो
आपु त्यो करी अदो विलआइ ॥ ४३ ॥ नै
नु उहाउ हिवै हिए वाहारहे गहिगेह ॥ कु
टीजात न हदी क्लिन वा मिह दीला गन
देहु ॥ ४४ ॥ अपने कर गहि आप हठि
हियपिहिराई लाल ॥ नौलसिरी अो
रेवटी मोलसिरी की माल ॥ ४५ ॥ दि
योज्ञ विवुकाउठाइकै बांपत कर भाना
र ॥ टेढीए टेढो फिरत टेढे तिलक लि
लार ॥ ४६ ॥ लाल सिलौने अरु रहे अ
ति सनेह सो पागि ॥ तनक कचाई देत

दुखहरनलोभनुहलाति ॥ ४७ ॥ अथ
अभिसारिका गोपअघाइननैउठेगोर
नकाईगैल ॥ चलिचलिचलिअभि
सारिवैभलीसफ़ोकीसैल ॥ ४८ ॥
सघनकुंजघनघनतिमिरअधिक
अधेरीराति ॥ नऊनइरिहैस्यामकर
हदीपसिखासीजाति ॥ ४९ ॥ नि
सिअधियारीनीलपटपहरिचली

पियगेह ॥ कहोडुराईक्योंडुरैदीप
सिखासीदेह ॥ ५० ॥ छिपेछपाक
रछितितछयोतमससिहरानसभा
रि ॥ हसतहसतचलसमिमुखीर
मुखतैआचरटारि ॥ ५१ ॥ अरीखर
रीसटपटपरीविधुआधेमगहेरि । सं
गलगेमधुपनलईभागनुगलीअधे

रि॥ ५२ ॥ जुवतिजोऊमैमिलिगाई॰
नैऊनहोतिलषाइ॥ सोधेकेजोरेलगी
अलीवलीसंगजाइ॥ ५३ ॥ अथखं
डिता नभलालीचालीनिसावटि
कालीधुनिकीन॥ रतिपालीआली
अननआएवनमालीन॥ ५४ ॥ अथ
ि कलहंतरिता अपतीगराजनवोलियनक
हानिहोरेनोहि॥ तूप्यारोमोजीयको
मोजियप्यारोमोहि॥ ५५ ॥ भएवटा
ऊनेहूनजिवादवकानवेकाज॥ अवअ
लिटेतउराहनोअतिउपजीउरलाज॥ १
अथविप्रलब्धा॥ मतिराम॥ मोहन
मकरिकुंजनगाइलष्योननंदकिसोर॰
दीपसिषासीथरहरीलगेवयारिसको
र॥ ५७ ॥ अथवासकसज्जा मनमोहन
नकेमिलनकोकरैमनोरथनारि॥ ध

रैपौनकेसासुहैदिगभौनकोवारि ॥ ५८ ॥
निसिनिघरातनिहारियतसौनिवदनअ
रविंद ॥ सखीएकघरहैदविएतेरोआननइंद
॥ ५९ ॥ अथ षंडिता ॥ बैईगाडिगारैपरी
उपरैजोहारहिएन ॥ आजैमोमारमतेगमत
मारिगुरेरविमैन ॥ ६० ॥ मदनसदनकोर
किरनकीमदनकुटैहरिराइ ॥ रवैनिमैवि
हरनकिोकनविहरनइनआइ ॥ ६१ ॥ न
हिनचाहुचितवतहगाननहिबोलनअ
नआइ ॥ सोसोकघरघोकरैमोसोचित
वितलाइ ॥ ६२ ॥ ललनपीकअंजनअधर
धरधरैमहावरभाल ॥ आजमिलेसुभली
करीभलेबनेहोलाल ॥ ६३ ॥ ताहिकितास
औरकहेहहेबधकहेबेन ॥ देखिबिसोहे
पियनयनकिहरिसौहेनैन ॥ ६४ ॥ नेर
हनतेरोसोमकरिकतनचवियनहुगसोल

अथ उदररोगको उपाय अथ षारी होए जो
षाए सो पचे नहि अरु चाहन करे अरु डा॰
की होए बेर बेर षाने की चाह करे षाए न
हि सूजन होए पेट मे वर्हि होए ए रोग उदर
के होने है जुगन माफक आवे नहि सुहना
टने जारा षाए अरु जो अहिन होए सो मासे
षाए अरु जो जुगन राषिए ताने य रोग हो
ने है औषद पिपलिमूल धतुरा मथा विष
लि पुष्करमूल देनोल सोग । सोहागा
सोंठ व्रकेपात जिरा सिरसके तिलके
हभीम अकरकरा इनका चूरन करना ॥
सोरेना अजीरन हूर होए अफीम लोग दा
नोभर आंके सबके बराबर करी आधाकु॰
मारे कारस सबके बराबर सो हे जनके पात
सिरसके छिलके रसाती भिंजी पलास इनो

केछिलकेरस्मरनी इनसबनीकीगोलीक
रनी षातेकठिनभीअजीरनभीषाविजा
तेहै अरुजोषानेकीचाहकरे अरुजोषा
यमोइटिएषाएसोपचैनही ऐसेलछन
जाकोहोए ताकोवदहली तीनरकावटे
रमुरगे इनकामासदैना अरुगारमऔष
दैनीथोरीथोरीज्रगतवारके अथभूषकी
औषद हफीमलौंगवावचीनीसेंधा इन
काअलुआहैसा धतूरेकेबीजससोएसब
मिलाए पुहकेडेकेरसमेएकदिन मनुष्य
मूत्रमेएकदिन षटाईकेरसमेएकदिनष
रलकरना फेरधूपमेसुकावना एऔषद
वडीभूषकरेअरुबसभीहोए जवराजभूष
नकरेदिलमेपलीनापकरे तोमानमार
नीयरऔषदहैनी

२३

रषज्ञानप्योमार ॥ डरजोथनलोदेषियननज
नशानइहवार ॥ २७ ॥ जोजोपावकलपठ
मोतियहियमोलपदान ॥ सोत्योकुहीगुला
बलोकुतिम्राम्रुतिसिगरान ॥ २८ ॥ फफुला
हारहिएलसेमनवीबैंदीभाल ॥ राघनषेनषरी
षेडरोजननबाल ॥ २९ ॥ मोरीगदकारीपरह
मनकपोलननगाड ॥ कैसीलमनगवारिवेमन
किरवावीम्राड ॥ ३० ॥ गहीकुडंबकीभीर
मेरहीपीहदेपीठ ॥ नडपलकपुरिजानसनसह
जहसोहीडीह ॥ ३१ ॥ गदरानेननगोरटी
मेपनम्राडलिलाग ॥ हुग्योदेइठलाइहगवरे
गवारिसुमार ॥ ३२ ॥ ज्योतुरदवीत्योकारवले
ज्योकरत्योहीनारि ॥ दविमोगतिमीलेचली
वानुरकाननहारि ॥ ३३ ॥ म्रहेदहेडीजिनथ
रज्ञिनचलेहिडनारि ॥ मीकोहेहीकोकुण्मे
मेहीरहिनारि ॥ ३४ ॥ दटकीधाईथावतीवट
वीलीमुषज्ञोति ॥ लमनरमोइकेचगारनगार
मगारइतिहोति ॥ ३५ ॥ अथसिखनषवर्ननं
नवकेसवर्ननं ॥ महजससिवकानसामनसिसु

सिसुगंधसुकुमार॥ मननतनमनम पङ्कपथल॰
षिविधुरेसुधरेवार॥ ३६॥ वेइकरयो रमिव॰
हैयौरीकौनविचार॥ जिनहीडरयौमोहियौ
तिनहीसुरजेवार॥ ३७ ॥ कुटिलठाठकेजगत
तेमरवारेसुकुमार॥ मनबांधतवेंदीवधमीर
लसवीलेवार॥ ३८॥ कुटिलअलककलुठिपर
तमुखवढिंगोइतोइदोत॥ बंकवकारीदेतज्यौ
दामरूपयाहोत॥ ३९॥ कचसमेटिकरभु॰
जउलटिखएसीसपटङ्घारि॥ काकोमननबांध
नयहजराबांधनहारि॥ ४०॥ अथललाटवर्ननं॥ नीकोलसतललाटपरटीकोज
टितजराय॥ छविहिवढावनरविमनोससि
मंडलमेंआय॥ ४१॥ सवैसुहाएहीलगैव
सेसुहाएठाम॥ गोरेमुहवेदीलसैअरुनपीत
स्याम॥ ४२॥ कहतसवैवेंदीदिएआंकदस
गुनोहोत॥ तियललाटवेंदीदिएअगनितव
ढतउदोत॥ ४३॥ भाललालवेंदीदिएछुटे॰
वारछविदेत॥ गह्योराहुअतिआहकरमनो॰
ससिसुरसमेत॥ ४४॥ मिलिचंदनवेंदी

रहीगोरेमुहनलथाय। ज्योंज्योंमदलालीच
ढ्रैत्योंत्योंउघरनजाय॥ ४५ ॥भालललाल
बेंदीललितआषतरहेविराजि॥ इंदुकला
कुजमेंउडीमनोराहुभयभाजि॥ ४६ ॥पिय
तियसोंहसकेंकह्योलषदिठौनादीन। चं
द्रमुषीमुषचंदतेभलोचंदसमकीन॥ ४७
अथनेत्रवर्ननं॥ रससिंगारमंजनकिए कं
जनभंजनदैन॥ अंजनरंजनहूविनाषंजन
गंजननैन॥ ४८ ॥जोगजुगतसिषएस
बमनोमहामुनिमैन॥ चाहततपियअद्वैतता
कानतसेवतनैन॥ ४९ ॥सायकसमघा
यकनयनरंगेत्रिविधरंगगात॥ फषोबि
लषिडरिजातजललषिजलजातलजा
त॥ ५० ॥षेलनसिषएअलिभलेचतुरअ
हेरीमार॥ काननचारीनैनमृगनागरन
रनिसिकार॥ ५१ ॥बरजीतेसरमैनकेऐ
सेदेषेमैन। हरिनीकेनैनानितेंहरिनीके
येनैन॥ ५२ ॥संगतिदोषलगैसबनिके

हियनमावेवैन॥ कहिवंकभृसंगहै कुटिल
वंचागतिनैन॥ ५३॥ हगनिलगनवेधत
हियहिविकलकरनेअंगग्रावन॥ एनेरसव
नेकहिनईलनतीक्षनवान॥ ५४॥ जहे
ज्ञानिनसंयहेमनमुहनिवसवैन॥ याही
नेमानेकिएबानननकोविधिनैन॥ ५५॥
किधिकिरिद्रै[illegible]दोषियननिचलेनेकरहै
न। एकजनरारेकोननएकरननजाकोनेब
॥ ५६॥ सबअंगकरिराषीसुघरनायक
नेहसिषाइ॥ रसजुतलेतअनंतगतिपुतरी
पातुरराइ॥ ५७॥ मैवतिमीविनवतिर
चितेभईओछअरमाइ॥ किडिगकानिके
मगनयतिहुगलिलगतिआलाइ॥ ५८॥
चमचमानचंचलनयनविचथंघटपट
झीन॥ मानहुसुरसरिताविमलजलउर
तलनजुगमीन॥ ५९॥ फूलेफधकत
लेफरीपलकटाननकरवारि। करनबचाव
नविवनयनपायकघायहजार॥ ६०॥

५

मारीसारीलीलकीओमेचूकतुकैन ॥ मो
मनमृगकरवरगहैअहेअहेरीनैन ॥ ९१ ॥ अ
रअमोपकलीनकतिगनीधनीसिरताजे ॥
मनीधनीकैनेहकीवनीदनीपटलाज ॥
॥ ९२ ॥ नहिलनीलमनिनगमगनमीकढ़
लाईनाक ॥ मनोअलीचंपकलीवसिमले
तनिसाक ॥ ९३ ॥ वेधकअनियारेनयनवे
धनकरननषेध । वरवटवेधोमोहियानुव
नासाकोवेध ॥ ९४ ॥ जटपिलोगललिनो
मऊनूनपहरइकआक । मटासंकवहिएरहै
रहैचवीसीनाक । ९५ ॥ अथश्रवणवर्णनं
दोहा ॥ लसतसेतसारीढ्योतरलतरोनाक
न । पर्योमनोसुरसलिलरविप्रतिविंवविर
हान ॥ ९६ ॥ लसैमुरासातियश्रवनयोंमु
कताडतिपाय ॥ मानोपरसकपोलकेरहे
स्वेदकनछाय ॥ ९७ ॥ सालतिहैनटसाल
सीक्योंहूनिकसतिनाहि । मनमथनेजानो
कसीखुभीखुभीमनमाहि ॥ ९८ ॥ फीमेप

टसै झिलमिली झलकति ओप अपार ॥ सुर
तरु की मनो सिंधु मैं लसत सपल्लव डार ॥ ७०
अथ कपोल वर्ननं ॥ नरवत कनक कपोल
दुति विच ही बीच विकान ॥ लाल लाल चर
मकत दुती चौका विद्रुम समान ॥ ७१ ॥ अ
थ अधर वर्ननं ॥ केसर मोती दुति फलक परि
अधर पर आय ॥ चूनो होइ न चतुर तिय क्यौं प
ट पौंछो जाय ॥ ७२ ॥ अथ दसन वर्ननं ॥
नैक हसौंही बानि तजि लख्यो परत मुख नीठि
चौका चमकनि चौंध मैं परत चौंध सी डीठि
॥ ७३ ॥ अथ चिबुक वर्ननं ॥ अनियारे दिव
हितन्य तिय कित है चली डीठि गुह चाह ॥ १
फिरि तिन टरी परिहर ही परी चिबुक की गाढ
॥ ७४ ॥ ललित स्यामली लाल ललन च
ढी विधुक छवि दून ॥ मधु छाक्यो मधुक
र परयो मनो गुलाब प्रसून ॥ ७५ ॥ जाते तोड़ि
गाड़ गहिल यन वटो ही मार ॥ विलक बांध
मै कूप ठगा हासी फासी डार ॥ ७६ ॥ गोल

विमोमनलुलोलहीमोगनिकहीनजानि ॥१
बोरहीगाउगयौनाकउछोरहेदिनरात
॥७७॥ मुखमुषवर्णनं ॥ सुरदितह्व
दिनमनमुषमुषमाकीओर । वितैरहतच
कयावितैनितिहचलचषनचकोर ॥७८॥
पत्राहीनिविपाहठवाधरकेवहूपास ॥
तिनहीप्रतिपूलोरहेआननओपउजास
॥७९॥ लियोकरीलामुहलमेनीले
मावमहवीर । मनोकलानिधिफलमलेक
लिंदीकेतीर ॥८०॥ सोरठा ॥ मंगलबिंदुर
सुरंगमुषससिकेसरआडगुरु ॥ इकनारी
लहिसंगमगकियलोचनजगन ॥८१॥
नरीकोरगोरेवदनवढीषरीछबिदेषि
लसतिमनोविज्जुरीकिपमारदससिपरि
वेष ॥८२॥ अथग्रीवा ॥ पहिरनहीगोरे
गरेयोदेहीदुतिलाल । मनोपरसिपुलर
कितभईमोलसिरीकीमाल ॥८३॥ ष
मिलसतनगोरेगरेधसतिपानकीपीक ।
मनोगलीवंदलालकीलालललालडुर

तिलौक ॥ ८४ ॥ अथहृदयवर्णनं ॥ उरर
मानफलीउरवसीइहतघटतहृगदाग ॥ र
फलकतवाहूरभरिमनोतियहियकोअनु
राग ॥ ८५ ॥ अथकुचवर्णनं ॥ उरनमकुर
चविवकंचुकीजुपरीमादीसेन । कविआर
ननकेअरथलोप्रगटदिषाईदेन ॥ ८६ ॥
भईजुदाविततवसनमिलवररसकेमनचेन ॥ र
आगअोपआगीडरीआगीआगडरैन ॥ ८७
अथकरवर्णनं ॥ गोरीअगुरीनषअरुनतनलला
लामदाविदेत । ललितनजुकतिरतिपलकपर
हवैननिवैनीसेइ ॥ ८८ ॥ गडेवडेछविछाक
छविछिगुनीछोरछुटेन ॥ रहेसुरंगरंगरगि
उहीमेन ॥ ८९ ॥ अथउदरवर्णनं ॥ करउचा
इधूघटकरतउमरतपटगुपरोट । सुषमोटैर
लूटीललनलषिललनाकीलोट ॥ ९० ॥
अथकटिवर्णनं ॥ लागीअनलागीजुविधि
करीषरीकटिछीन । किएमनोवैहीकसरकु
चनितंबअतिपीन ॥ ९१ ॥ वरजैहूनीहठहै

न
६

नासक्कवैनमकाइ। रूदतिकदिंडुमबीमं
वाकिलवाकिलवाकिवेविज्ञाइ॥ ९२॥
अथ जंघवर्णनं॥ जंघजुगललोइलनि
रंकरेघरेविधिमैन॥ केलिनहनसवदं
मकेलितहनसघदैन॥ ९३॥ अथ
गुंठी॥ रथ्योरीठहाटसगहेमसिहरग
योनसूर॥ गुलौचमनसुरवानिवुभिमो
चूरनवपिचूर॥ ९४॥ किघहायलवि
नवाइलगिवज्ञिपायलनुवपाय॥ भुनिस
निसुनिगुठमधुरधुनिकौनलाललल
साघ॥ ९५॥ अथ चर्णवर्णनं॥ प
गपगामगाअगामनपानचरनअकनडुलि
डलि॥ गैलगैललखियतडहैडुपहरियामे
फूल॥ ९६॥ कोहरमीम्रैहीनुकीला
लीहि विसभाय॥ पाइमहावरदेवोआप
भईवेपाइ॥ ९७॥ पाइमहावरदेइको
नाइनवैठीआइ॥ फिफिफिविज्ञानिमहाव
रीसेडीमीर ॥ ९८॥ सोहनम्र

35

गुर्द पोइ वोम्र नव दल सो जगाइ ।। जीत्यो न
रवनि दुति मृठरि पसो नरनि मनो पाइ ॥
॥ ९९ ॥ अथ सुकुमार नायकावर्णनं ॥
भूषन भार संभारिहै क्यों यह तन सुकुमा
र । सूधे पाइ न धर परत सोभा ही के भार ॥
॥ १०० ॥ न जक धरत हरि हिय धरे ना
जुक कमला बाल ॥ भजन भार भय भीत
है घन चंदन वन माल ॥ १ ॥ छाले
परिवे को डरनि सकै न हाथ छुहाइ ॥ झझ
कति हिय गुलाब के झवा झवैयत पाइ ॥ २ ॥
मैं वरजी कै बार तू इत कित लेत करौट ॥ ॥
पखुरी गड़े गुलाब की परि है गात खरोट
॥ ३ ॥ अरुन सरोरुह कर चरन संग
गुरी अति सुकुमार ॥ चुवत सुरंग मैं गुर
मनो दावि विलुवन के भार ॥ ४ ॥ अथ
गात ॥ वरन वास सुकुमारता सव विधि र
ही समाइ ॥ पखुरी लगी गुलाव की गात

नजानीजाइ ॥ ५ ॥ पहिरनभूषनकन
ककेकहियावनरहहेत ॥ दरपनकेसेमो
रवेदेहहियाईदेन ॥ ६ ॥ मानोविधित
नम्रललविललताथवेकाज ॥ हगपगधे
ललकोकिणभूषनपाइनदाज ॥ ७ ॥ दे
बीसोनजुहीफिरनसोनजुहीसेअंग ॥ इ
तिलपटनपटसेनहूकरनविनोदीरंग
॥ ८ ॥ सहजसेतपचतोलियापह
रनस्रुतिहुविहोत ॥ जलचादरकोदी
पलोजगमगातनजोत ॥ ९ ॥ है
तीकीलाखिरीफिहैसविहिलवीलेला
ल ॥ सोनजुहीसीहोतइनिमिलनमाल
तीमाल ॥ १० ॥ केसरकोमरकास
कैचंपकाविनकंधनरूप ॥ गातरूपलखि
आतइविजातरूपकोरूप ॥ ११ ॥ वा
हिलसैलोइनलगैसोनजुसतीकीजो

ति। जाके तन की लाह हि गजो इ ला ह॰
सी होत ॥ १२ ॥ कहि लहि कौन सकै॰
डरी मोन जुही मै जाइ ॥ तन की सहज सु
बास बादती जौन बनाइ ॥ १३ ॥ कु॰
कुसुम कहा कहा कौमुदी कितक षार॰
सी जोति । जाकी उजराई लषे आंषि ऊष
री होति ॥ १४ ॥ कंचन तन धन बर
न बर रह्यो रंग मिलि रंग ॥ जानी जाति सु॰
बास ही केसर लागी अंग ॥ १५ ॥ अंग अं॰
अंग न गज गम गन दीपसिषा सी देह ॥ दि॰
या बढाएं ही रहे बडो उजारो गेह ॥ १६
है कपूर मन मैं रही मिलि तन दुति मुकता मा
ल ॥ छिन छिन षरी बिचछन तो लषति
छुआइ तिनु आल ॥ १७ ॥ डीठ न पर
न समान दुति कनक कनक से गात ॥ १॰
भूषन कर कम से लगत परस पछाने जा

६

न ॥ १८ ॥ करतमलिनमालीत्तविहि
हरतनजुतहृमविकास ॥ अंगरागअंगनिर
लगौजौ आरसीउजास ॥ १९ ॥ अंग
गअंगप्रतिबिंबपरिदरपनसेसबगात ॥ ड
हेतिहूहेवोहूहेभूषनजानेजात ॥ २० ॥
अंगमअंगगत्तविकीलपटउपटनजानअहे
ह ॥ बरीपानतरीऊनऊलमघोभरीमीदेह ॥
॥ २१ ॥ अथ मुग्धादि नाइका ॥
कुटीमसिसुताकीफलकमलकौजोब
नअंग ॥ दीपतिदेहदुहानिमिलिमनहुता
कताअंग ॥ २२ ॥ तियतिथितरनिकि
सोरवयपुणयकालसमदोन ॥ काहूपुणय
निपाइयतवैसिसंधिसंक्रोन ॥ २३ ॥
लालअलोलकलरवाईलखिलखिसखी
सिहाति ॥ आजुकाल्हमेदेखियतउरउकसो
हीभाति ॥ २४ ॥ अपनेअंगकेजानि

कैजोवनमरूपतिप्रवीन ॥ ननमननयननितं
वकोवज्ञेडजाफाकीन ॥ २५ ॥ देहर
डुलहिपाकीवछैसौज्यौजोवनओपति ॥ २०
त्यौत्यौलखिमोतेसवैवदनमलिनडुतिहो
ति ॥ २६ ॥ भावकउभरोहैभयोकछु
कपत्योभरुश्राइ ॥ सीपहराकेमिसहियोर
तिसदनहेरनजाइ ॥ २७ ॥ नवनागरि
तनमुलकलखिजोवनश्रामिलुजोर ॥ घट
तैंवढिवढिघटिकरीरवामश्रोरवीश्रोर
॥ २८ ॥ श्रनीटरानितवरपरेदईमरर
कमतोमेत ॥ होडाहोडीवढिचलेवितर
वहुगाईनैन ॥ २९ ॥ गाढेठाढेकुचरर
लिहिलितियहियकोठहराइ ॥ उकसौहे
हीतोहिएदईसवैउकसाइ ॥ ३० ॥ ज्यौ
ज्यौजोवनजेठदिनकुचमितश्रतिश्रधिका
त ॥ त्यौत्यौछिनछिनकटिछपाछीनपरर

७

ननितजान ॥ २१ ॥ मानकूछषदिषरावलीइ
लहलिकरिग्रलुराग ॥ मानुमदनमनलाल२
हूँसैपतिनदियोसुहाग ॥ २२ ॥ सिरषिन२
वोछातानितिनतसुटतलगरकईलेस ॥ ओप्यारो
प्रीतमातियहिमनोवलननपरदेस ॥ २३ ॥ प्र
थमथा ॥ वालेकीवातैचलीमुकनतसषिन२
केवोल ॥ मोछडलोइनहसनविहसनजान
कवोल ॥ २४ ॥ वाठनतोडरडरजभकमि
तिनकनईविकासवोग निसोतिनकेहिएग्रा
वनरथोडमास ॥ २५ ॥ कहनतमटनरीप
नषिगनमिलननाषिलननलजिजान ॥ भरैमो
रसैकगनिहैनेनाहीसैवान ॥ २६ ॥ करे
वाहसोतुटाकिवैघरैडडौहेमेन ॥ लाजद
वाहनरफरनवरनषूदसीनैन ॥ २७ ॥
ममरसमरसकोचवमविवमनठिकठहराय

किलिकिलिकिरिडफककतिकिरिडुवतिडु रिडु रिडक
कतिग्राइ ॥ ३८ ॥ सङ्गविमरकिपियतिक
टतैपुलकिकछूवतनमोरि ॥ करग्रचराकी
ग्रोर है जमुहीनीमुहमोरि ॥ ३९ ॥ ग्र
थ प्रोढा ॥ दोहा ॥ ज्यौज्यौ ग्रावतनिकट
निसि त्यौत्यौ खरीउताल ॥ कमकिरमाकि
टहलैकरैलगीरहतवटैबाल ॥ ४० ॥ फ
विफुकिजपकोहैबललनाकिहिकिरिजारि
जलमुग्राइ ॥ आनवियागमलीदमिसदीम
वग्रालीउठाइ ॥ ४१ ॥ भोहननासति
मुहनठतिग्राषिनसोलपटाति ॥ मैधिर
हुडावनवरहनीग्रागेग्रावतिजाति ॥ ४२
ग्रथसाधीनपतिका ॥ हुनहाईसवटोल
मेरहीजुमोतिकहाइ ॥ सुतैग्रौविपौग्राउ
त्योकरीग्रदोषिलग्राइ ॥ ४३ ॥ नैकु

उहाउ हिये हिरु ब हार रहेगा हूँ गे हू ॥ लुटी जा र मन हरी लिनक मि हरी लागन देह ॥ ४४
अथ वेद रंगा हूँ आप हरि हि हिय पहि राई ला र ल ॥ लोल सिरी ओर वटी मोल सिरी की मा र ल ॥ ४५ ॥ दियो जु चितु कउठाइ वो के र पन धार भर मार ॥ टेरी एटे टेरी फिरत टे टे ति र लक लिलार ॥ ४६ ॥ लाल मिलो ने अ र रहे अति सन रमो पासि ॥ तन क कवा ई दे न दु ख सुरत लो फु हला सि ॥ ४७ ॥ अथ अभिसारिका ॥ गोप अथाइ वनै उठै गोरज र लाई गैल ॥ चलि चलि चलि अभिसारि के भ ली सको की मेल ॥ ४८ ॥ सघन कुंज घ न घन तिमिर अधिक अधेरी राति ॥ तऊ न दुरिहै स्याम वह दीप सिषा सी जाति ॥ ४९
लिसि अधियारी नील पट पहरि चली पिय

गेह ॥ याहोहुगई फोउरैदीपसिखासीदेह ५०
ह्रियौतपाकरतिनिसयोतमसमसिद्र रतम
भारि ॥ हसतहसतचलसमसिंधुबीसुघनै अ
वहतारि ॥ ५१ ॥ अरीबरीसटपटपरी
विधुआधेमगहेरि ॥ संगलगेमधुपनलई
भागनगलीअंधेरी ॥ ५२ ॥ जुवतिजोर
ह्रमैमिलिगईनैकुनहोतिलखाइ ॥ सौधे
केलैलगीअलीचलीमंगजाइ ॥ ५३
अथउत्कंठिता ॥ नभलालीचालीनिसा
चटकालीधुनिकीन ॥ रतिपालीआलीर
अनतआएवनमालीन ॥ ५४ ॥ अथप
कलहंतरिता ॥ अपनीगरजनबोलिय
तकहाँनिहोरेतोहि ॥ तूप्यारोमेरो
जीयकोमोजियप्यारेमोहि ॥ ५५ ॥
भठवटाऊनेहनजिवादवकनवेकाज्ञ ॥

अवअलिदेतड गहतोअतिड पजीडवलाज ॥
॥ ५६ ॥ अथ विप्रलब्धा ॥ मतिराम ॥ सा
हस कारि कुंजन गई लखो न नंदकिसोर ॥ दी
पसिखा सी थरहरी लगे बयारि झकोर ॥ ५७
अथ वासकसज्जा ॥ मनमोहन को मिलन र
को करै मनोरथ नारि ॥ धरै पौन के गात है
द्याभौन को वारि ॥ ५८ ॥ निसि लियरान
सिहारि यत मोतिव दन अरविंद ॥ सषी एक
यह देषि भो आनन इंद ॥ ५९ ॥ अथ
षंडिता ॥ बेई गाड़ि गाड़े परी उपटौ हार हिर
एन । आली मोर मनंग मनमारि गुरै रानि सैन
॥ ६० ॥ मदन मदन के फिरन की मदन न
देह विराइ ॥ कवै तिन्है विहरन फिरी कान विह
रन इन आइ ॥ ६१ ॥ नहि नचाइ चितव
नहि गान तहि वोलन अनषाइ ॥ ज्यौं ज्यौं रू
षरू सौं करै त्यौं त्यौं चित्त चिकनाइ ॥ ६२ ॥

पलतपीकमुंजनमथरथरैमहावरमाल२
आगमिलेसुभलीकरीभलेबनेहोलाल ॥ २
॥ ६३ ॥ गहकिगामओरेकरैरहेमथक
हेवेन ॥ देषिषिमोहेपियनयनपियरिमो२
हेनैन ॥ ६४ ॥ नेहनरोत्योहकरिकनक
रियनहगमोल ॥

२२

मै

लीकननहींयहपीकाकीसुनिमनिफलकक
पोल ॥ ६५ ॥ वालकतलालीभईलोइ
नकोइनमाहि ॥ लालतिहारेदृगनकीप
रीदृगनैंछाहि ॥ ६६ ॥ विधुवदनीमोसोक
हतनुमसाचीयहवात ॥ नैननलिनपियरा
वेन्याइलिरयनैजात ॥ ६७ ॥ नकननकोकर
नहवरनवरामएभरननिसिजागि ॥ वाही
केअनुरागदृगरहेमनोअनुरागि ॥ ६८ ॥
केसाकेसरकुसुमकेरहेअंगलपटाइ ॥ ल
गेजानिनखअनखुलीचितवोलनअनषा
इ ॥ ६९ ॥ लालनलहिपाइदुरैचोरीसे
हकौन ॥ सीसचढेपनिहासगटकहैनगु
कारेनैन ॥ ७० ॥ नारतसुरतिकेसदुरतसु
ततनेनजुरितीठि ॥ हैंदीदेगुनरावरेवात
तनैनोडीठीठि ॥ ७१ ॥ मरकतभाजनस
लिलगतिइंदुकलाकेवेष ॥ झीनझगामेंफल

मलैस्याममगानलषरेष॥ ७२ ॥ बाहीकी
चितवटपटीधरनअटपटेपाइ॥ लपटबु
झावतविरहकीकपटभरेऊआइ॥ ७३॥ का
नवैकाजचलाइयतचतुराईकीचाल॥ कर
हैदेतयहराववेसवगुननिरगुनमाल॥ ७४
पावकसोनैननिलग्योजावकलाग्योभाल
मुकरहेफुरगोनैकमैमुकरविलोकोलाल॥
७५॥ रह्योचकितचहुधाचितैचितमैरोमन
भूल॥ सूरउदेआईरहीदृगनिमाझमीफूल
७६ ॥ अनतवसेनिसकीरिसनिउरवरिर
हीविसेषि॥ तऊलाजआईझुकनिघरेलं
औहेदेषि॥ ७७ ॥ मृगनमहावरमैनिपगा
निविराहीअनषाइ॥ पियअगुरिनलाली
लषैषरीउठीलगिलाइ॥ ७८ ॥ प्रानपिया
हिंयमैवसैनयरेषासमिभाल॥ भलोदिषा
योआनयहहरिहरूपरमाल॥ ७९ ८॥

त्यानचलैबलिगावरीचतुराईकीचाल॥स
नखहिएखिनखिननटनअनखवहावतर
लाल॥ ८० ॥नकनलडकसवजगकर
नकनवेकाइलजान॥सोहेकीजेनैननजोसा
चीसोहेखान॥ ८१ ॥कतकहियतदुखदै
नकोरचिपचिवचनअलीक॥सवैकहाउ
रद्योलखेलालमहावरलीक॥ ८२ ॥नख
रेखासोहेहिएअलसोहेसवगात सोहेहो
ततनैनएतुमसोहेवातखान॥ ८३ ॥पल
सोहेपगपीकरंगछलसोहेसववैन।वलि
सोहेकितकीजियतएअलसोहेनैन॥ ८४
कतलपटैयतमोगरेसोनजुहीनिसिसै
न।जिहचंपकवरनीकिएगुललालारंग
नैन॥ ८५ ॥सभरभसोतुकौंधौंदासौंजौ
वगुनकतननपचयोकपटकीचाल॥कौधै
दासौंजौहियोदरकतनाहिनलाल॥ ८६।

आज्ञवाकूंग्रोरेभएछइनदडिकौदैन॥ चित
केहितकेतुगलछनितकेहोहिनैनन॥ ८७॥
फिरतलुग्रदकातकदसिविनुरमिकमुरम
नखिपाल॥ अननतननननिननिनफिर
नकतनमञ्जचावनलाल॥ ८८ ॥ जोनुमति
घमनभावनीराधीहिछवमाइ॥ मोहिपु
कावतहगानिहूवहईउफनतिआइ॥ ८९॥
मोहिकानवतवाउरीकिछुगाउदुरैन॥ ९
कहेदेनरंगगातिकेरंगनिवुरतिमैनन९
९०॥ पटसोपोछिपोकोघरीभयानक
भेष॥ नागानिसीलागतिहगानिनैनागवे
लिंगरेख॥ ९१ ॥ इनैननिघरघरोहि
छपावरीकुचाल॥ विमुसीलागतिहैतुमी
हसीखिसीकीलाल॥ ९२ ॥ मुहमिठा
सहगाचीकनेभौंहैसरलसुभाय॥ नऊब
रेआढाघेरोघिनघिनहियोमकाय॥ ९३

२५

50

जिन भामिनि भूषन रच्यौ चरन महावर र
माल। इहीं मनो अ विया रमीं औठिनिकोरंग
लाल॥ ९४ ॥ घरी अरुद्वदुउलाहदीकी
कौरैजै ससोढि मिटास॥ ९५ ॥ मोहन
अंग समान सो यहै बहु न सबलोक॥ पा
नपीक औठनि बनै काजर नैन निलोग॥
॥ ९६ ॥ अथ प्रोषितपतिका ॥ इस
ह विरहद्रुत नट मारयौ न औरउपाय॥
जानजानजोगाषि कृपियकी बान सुनाय
९७ ॥ चलत चलत लौ लै चले सब सुख
संग लगाय॥ ग्रीषम वासर सिसिर निस
पीमो पास बसाय॥ ९८ ॥ पजरयौ आगि
वियोग की बह्यौ विलोचन नीर॥ आठो जा
म हैहियौ उड्यौ डमासूमीर॥ १ ॥ पल
निप्रगटि वरुनीनि बढि न तिवपोल ठह
रात। अंसुवा परि छतिया छिन कहनान
कुनाय कुपिजात॥ २ ॥ मरिबेको सा

उरउपजाव नग्रास दुस हसंकविस

सै८

51

हमककैवहैविरहकीपीरदोरतिहैममु
हैमसीमरमिजमुरमिममीर॥ ३ ॥आ
नम्रानहिंगप्रानपतिमुद्दिनरहनहिन
रान॥पलकंपतिपुलकनिपलकपल
कपमीजतजान॥ ४ ॥विरहकीलवि
जीगननिउहिनकत्योकैवार॥म्रहेम्रा
डमजिभीनरीवरमनम्राजुम्रगार॥ ५ ॥
म्रगीपरैनकरैहियेघरोजरेनपजार॥जु
रतघोगुलावमोमिलैमलेघनमार॥ ६
कहैजुवचनवियोगिनीविरहवरनविल
लान॥किछनकोम्रसवामहिनसुवाते
वोलसुनाइ॥ ७ ॥सीरजननतिहि
मिरनिमिमहिविरहनितननताप॥वम
वेकोग्रीषमदिननिपसेपरोमतिपाप
॥ ८ ॥पियप्रानननकीपाहरूकरतिज
तनम्रतिम्राप॥जाकीदुमहदसापरो

सौतिनलू संताप ॥ ९ ॥ आडे दैआ
लेवसतनजाडेही कीरानिसा हसक कैसर
नेहवससखी सवै दिगजाति ॥ १० ॥ सु
ननपथिकमुहमाहनिसचलननलै वैड
हगाम । विनबूझे विनही कहे जियतिवि
चारीवाम ॥ ११ ॥ इनआवतचलिजा
तउनचलीछ्रमानकराथ ॥ चढीहिंडो
रैसेहिएलगीउसासनिसाथ ॥ १२ ॥ सो
रठा ॥ विरहसुखाईदेहनेहकियोअतिं
उहडहो ॥ जैसेवरसैमेहजरैजवासोजो
जमै ॥ १३ ॥ स्यौविछुरीजनुमेहय्याति
दुहाविरहाधसैसोआठौजामअकेहहा
जुवरानववससनाहै ॥ १४ ॥ विरहवि
पतिदिनपरतनहीतजेसुखतिसवअंग
रहिअबलौबदुखोभईचलाचलीजिय
संग ॥ १५ ॥ छतोनेहकागादहिएभर

घोलषाइनराव। बिरहनपैठधसैामु
अवसरुरकैसोआक॥ १५ ॥ नयो
बिरहवरनीबिधाघरीबिकलजिय
वाल। बिलषीदेषपरोमनोहर। बिहर
मीनिहिकाल॥ १७ ॥ काकेमीड
उसुमलैागाई बिरहउमिलाइ। मराद
मसीपिनिससबिनिहनीठिपिकानी
जाइ॥ १८ ॥ मरीइरीबिरटीबिया
वाहाबरीचलिचाहि॥ रहीकराहक
रातअतिअवसुघआहितआहि॥ १९
गावेउरअैरिकछूलगीबिरहकीला
इ। पजरेनीरगुलावकेपियकीवात
बुझाइ॥ २० ॥ जवजववेसुधिकीजि
एतवतवससुधिजाहि। आबिनआर
षिलमीरहेअबाषेलागतिनाह॥ २१

कौनसुनैकासोंकहोसुरतिबिसारी
नाह। वदावदीऔलेनहैपवदावद
राह॥ २२ ॥औरेभातिभएसबैचौस
रचंदनचंद॥पतिबिनअतिपारबिपति
मारनमारनमंद॥ २३ ॥नैअनराव
सीबिरहकरानेहललनाऊमिलान।दि
नदिनहोतनहरीहरीघरीकालरामि
जान॥ २४ ॥यहबिनमननननराषि
बैजगानवडोनमलेहु।जरीबिषमजुर
जातिहैप्रायसुदामनदेहु॥ २५ ॥नि
नमेमोहंमोवचनमनकुसुरहश्रनमा
न॥बिरहआगनलपरनमकैरुपटि
नमीचुमिचान॥ २६ ॥करीबिरहमै
सीनऊगैलनछोडतनीच॥दिनेऊचस
मावषनचाहेलहैनमीच॥ २७ ॥मर
नभलोवरबिरहतेयहबिचारजियजो

इ।मरनमिटेदुषएककोविरहदुहदुष
होइ॥ २८ ॥औधाईसीसीसुलाबिर
विरहबानविललात॥विचहीसूकि
गुलाबगोछूटैकुहीनगान॥ २९ ॥
होहीवीरीविरहवसकैगैरीसबगा
उ।कहाजानिएकहतहैसमिहिसी
नकरताउ॥ ३० ॥सोवतजागतसुप
नवसरमरिसचैनगचैन॥सुरतिस्याम
घनकीसुरतिविसरैहविसरैन॥ ३१ ॥
कौडाआसहूंदकतिसाकारवरनीस
जल॥कीनेवदननमूंदहगमलेगडारे
रहत॥ ३२ ॥जिहनिदाघडपहरसमै
भईमाघकीरात॥तिहउसीरकीरावटी
वरीआवटीजात॥ ३३ ॥नपैयेआचम
निविरहकीरह्योप्रेमरसभीज॥नैनर
निकेमगजलचल्योहियापसीजपसी

ज॥ ३४ ॥ गोपिनकेअसुवनिवढीसद
अमोघअपार॥ उगारउगारनेहैरहीवग
रवगारकेवार॥ ३५ ॥ स्यामसुरनिक
रिराधिकानकतिनरतिजानीर। अस
वनकरतनरोसकोघिनकघरैहोनी
र॥ ३६ ॥ रत्योअंविश्रंतनलत्योअ
वघिडसासनवीर॥ आलीवाहतिअव
मऊँपांचालीकोचीर॥ ३७ ॥ गनती
गनवेतेरहेहूनहूअकृतसमान॥ आ
लीअवतिघिओमलोपरोरहेतनप्रा
न॥ ३८ ॥ मारसुमारकरीषरीमरीम
रीहिनमार॥ सीचगुलावघरीघरी
वरीवरीहिनवार॥ ३९ ॥ कागदप
रलिषतनवनैकहतसदेसलजात॥
कहिहैसवतेरोहियोमेरेहियकीवा
त॥ ४० ॥ जातमरीविछुरतघरीज

57

लमफरीकीरीन॥खिनखिनहोनखरीख रीअरीजरीयहग्रीन॥ ४१ ॥विरहविथा जलपरसविनवसियनमोजियनाल कछुजाननजलथंभविधडरजोधर नलोलाल॥ ४२ ॥फिरसुधिदैसुधि द्याइप्योइहनिरदई।निरास।नईनईव हुरोदईदईडसासडमास॥ ४३ ॥
स्वकीयाआगतपतिका॥भेटतवनतन भावतोविनतनासनअनिप्यार॥धरन लगायलगायडरभूखनवसनहप्यार ॥ ४४ ॥कियोसयानीसखिनसोंन हिसयानवहभूल॥डुरैडुराईफूलज्यों मोपियआगमफूल॥ ४५ ॥आयो मीतविदेसतेकाहूकह्योपुकारि॥सु नहुलसीविहसीहसीदोऊडहनिनि हारि॥ ४६ ॥रह्योवरोठामेमिलन पियप्रानननेकेईम॥आवनआवनकी

भई विधि की धरी धरी स ॥ ४७ ॥ ज
ह पिने जरौ हा लल चल पलनकौ लगीन
वार ॥ नौ गये ज्यो घर को भयो पेउ को स
हजार ॥ ४८ ॥ बिछुरे जिहसकौ चडु
हि बोलन बैनन बैन ॥ दोऊ दै दिल गहि
ह खिण्लज्ञौ है नैन ॥ ४९ ॥ अथ ग
[illegible]नपतिका ॥ रहि है वंचल प्रा
न ष कहि कौन की अगोर ॥ ललन च
लन की चित धरी कलन पलन की र
आट ॥ ५० ॥ पूस मास सुनि सखि ति
पे भाई चलनि सवार ॥ गहि कर बीन
प्रवीन तिय राग्यो राग मलार ॥ ५१
ललन चलन सुनि पलन मे अंसुवा
चलके आय ॥ भई लखाइ न सखिन
मे झूठेही जमुहाय ॥ ५२ ॥ ललन
चलन सुनि चुपरही बोली आपन र
ठि ॥ राख्यो गहि गाढे गरे मनो गिल

गिलीङीठि॥ ५३ ॥विलषीउभको
हेचषननिपलषिगमनवराई॥पिय
गहवरआयोहिएराषीगवेलगाइ॥५४
अवहीकहाचलाउपनललनचल
नवीवात॥अजहुनआछमहजंग
विरहवेगान॥ ५५ ॥चाहभरे
अतिरसभरेविरहभरेसवगात॥को
रसदेसउहनकेचलेपोविलोज्ञान
॥ ५६ ॥मिलिचलिमिलिचलिमि
लिचलनआगनअथयोभानु भयो
मुहरनभोरकोपोरीप्रथममिलानु
॥ ५७ ॥अपआगमिच्छनपनिका
मआनैनीदृगकीफरकउरउछाहनन
फूल।विनहीपियआगमउमगिपल
टनलगीदुकूल॥ ५८ ॥वामवाहफ
रकतमिलेजोहरिजीवनमूरि॥तौतोही
सोभेटिहोराषिदाहनीदूरि॥ ५९ ॥मर

लिनदेहवेईवमननमलिनविरहकेरूप
पियआगमऔरैउदीआननओपअ-
नूप॥ ६० ॥कहपठईजियभावतीपि
यआगमकीवान॥फूलीआगनमैपि
रैआगनआगमसमान॥ ६१ ॥अथरू
पगर्विता॥दोहा॥इसहमैमोनिमालर
तिजुहियगानतिनताविवाद॥धरैरूप
गुनकोगरवफिरैअछेहउछाल॥ ६२
अधरमौनिपियवसमुननडुलतहनि
डुगुनकूलास॥लषीसषीननतडीठक
रसगारवसलजसहास॥ ६३ ॥अथ
प्रेमगर्विता॥ दोहा॥ पियमैतिनदेष
नदईअपनेहियनेलाल॥फिरतसवर
नमैउहडहीवहैमरगजीमाल॥ ६४
अथप्रेमप्रशंसा॥ उनकोहितउनहीर
वनेकोऊकरोअनेक॥फिरतकागगो

लकभयोडहूदेहस्योएक॥ ६५ ॥अथ
मानिनीवर्णनं॥ जद्यपिसुंदरसुघरअर
सगुनोदीपकदेह॥ नऊप्रकाशाकरैनिते
भरिएजितोसनेह॥ ६६ ॥तोहीनिरमो
हीलग्योमोहीयहेसुभाउ॥ अनआएआ
वेनहीआएआवेनहीआएआवेआउ॥
॥ ६७ ॥रहीपकरपाटीसुरिसभरैभौ
हचितनैन॥ लषिसुपनेपियआनरति
जगतिहुलगतिहियेन॥ ६८ ॥नमन
मानैसुकनईकिएकपटचितकोटि॥ जो
गुनहीतोराषिएनैननिमाहिअगोटि
॥ ६९ ॥अहेकहेनकहाकह्योतो
सोनंदकिसोर॥ वडबोलीकतहोतिहै
वड़ेहगनिकेजोर॥ ७० ॥फूलीफाली
फूलसीफिरतजुविमलविकास॥ भोर
तरैयाहोहिगेचलतनतोहिपियपास
॥ ७१ ॥मनमोहनसोंहकारतूघनर

मो

२०

स्याम सभा रि॥ कुंज विहारी सों विहरि नि
धि धारी उर धारि॥ ७२ ॥ उमग्यो सरद रा
काम सी कैसो न करत चित चैन॥ मनो म
दन हित निपाल को छाह गीर छु विदेन॥
॥ ७३ ॥ धिम के से रुघ मसि मुखी हसि
हसि बोलत नैन॥ गूढ मान मन कौ रहै
भरू बूढ रंग नैन॥ ७४ ॥ हो हारी कै वो
ह हा पाइ निपा सो प्यो रु॥ लेरू कारू भुज
लू विरहे सरते रैन्यो रु॥ ७५ ॥ लखि
गुरुजन विच कमल सों सीस छुवायो
स्याम॥ हरि सनमुख करि आरसी हि
ए लगाई वाम॥ ७६ ॥ मखन मना
वन को करैं देन रुठाइ रुठाइ॥ कौतिक
लाग्यो पिय पिया खिरुह हरि फवन ना
इ॥ ७७ ॥ तोही को छुटि मान गो दे
खत ही व्रजराज॥ रही घरी लौ मौन मी
मान किये की लाज॥ ७८ ॥ कपट स

63

नरभोहकरीसुषअनसोहवैन। महजह
सोहदेषिकेसोहकाननैन॥ ७९॥
सोवनलषिमनमानधरिहिगसोघार
पियआय।रहीछपनकीमिलनिमिर
लितियपियसोलपराय॥ ८०॥दोऊ
अधिकाईभरेएकैगोगहिराय॥कौन
मनावैकोमनैमानैमनठहराय॥ ८१॥
रासौअवोलोवोलिप्योआपैपठैव
सीठ।ज्ञीकुराइडुहूनिवीलषिलल
चौहीडीठ॥ ८२॥षरीपातरीकान
कीकोनवहाऊवान॥आककलीन
रलीकरैअलीअलीजियजान॥ ८
॥ ८३॥मानकरनवरजननहोउ
लटिहिवावनक्षाह।करीरिसोहीजा
हिगीसहजहसोहीभोह॥ ८४॥रु
षरूषेमिसरोषमुषकहनरषाहवै
न।रूषेकैसहोनएनेहचीकनेनैन

॥ ८५ ॥ सोहैहवात्यौननैकेतीघाई
सोह॥ मैहोकोवैठीकिछमैठीवैठीभो
ह॥ ८६ ॥ लग्योसमनहैहैसफलभ्या
नपरोसनिवारि॥ वारीवारीआपनी
सीचमहदनावारि॥ ८७ ॥ एरीयह
नेरीदईकोहमकूनिनजाइ॥ नेहभरे
हियराछिछनहछिनलगाइ॥ विधिवि
धिकोनकरीदैननहीपरेहपान। वितै
किनेनेलेथसोइनोइनेननमान॥ ९०
नोरसराच्योआनवसकहोऊटिलम
नकूर॥ जीभनिवोरीकोलगेवोरीचा
खिच्यगूर॥ ९१ ॥ गहलीगरवनकी
जिछसमैसहागहिपाइ॥ जियकीजीव
नजेठजोमाहनछाहसहाइ॥ ९२ ॥
हाहावदनउघारहगसफलकरोस
वकोइ। रोजसरोजनिकेपरोहसीससी
कीहोइ॥ ९३ ॥ कहालडगोखेलमै

64

नजोअ्रपटीवान॥नैकहमोरीहैभईमो
हैसोहिषान॥ ९४ ॥मजवनगहिहर
स्यामसुतहसतनरोहैवेन॥देतरचोहैचि
नकस्योनेहनचोहैनेन॥ ९५ ॥चलो
चलेकुंदिजाङ्गोहहगावरेसकोच॥ष
रेचटाफहोतअवआफलोचनलोच॥ ९६
सुनरसहूरसपाइ्यनरसिकरसीलीपा
स॥जैसमाठेकीकठिनगाठेभरीमिठा
स॥ ९७ ॥सकतननवनानेवचनर
मोरसकोरसषोय॥षिनषिनओटेषीर
रलोषरोसवादिलहोय॥ ९८ ॥का
हूसहवाततनलगेपावेभेद्रपाय॥हठ
हठगाहगाठवेसुचलिलीजैसुरंगल
गाइ॥ ९९ ॥वाहीदिननेनामिद्यो
मानवालहकोमूल॥भलेपधारेपाहु
नेहैगुडहरकोफूल॥ १०० ॥आठआ

पभलीकरीमेटनुमानमगोर॥ इरकरो
यह्रुटेखिचक्कुलाक्किगुनियाक्कोर॥ १॥
नुहीकहेहोश्रापुहीसमुफनिसवैसया
न॥लखिमोहनजोमनरहेनोमनगया
मान॥ २ ॥मोहिलजावननिलज्ञ
छकुलसिमिलनसवगान॥भावउदै
कीश्रुनसलोमानुनजान्योजान॥ ३॥
खिचैमानश्रपराधहूवहिगोवच्योश्र
चैन॥जरनउीठिनजिगिसखिसीहमडु
हनिकेनैन॥ ४ ॥डीठिपरोसनिडु
ठहैकहेजुगाहेसयान॥सवैसदसेक
ह्रिकत्योमुसकाहटमैमान॥ ५ ॥
छलापगेसनिहापवैकुलकरिलि
गोपक्कान॥पियहिदिखायोलखिवि
लखिरिससूचकमुसकान॥ ६ ॥मो

67

हसोवाननलगेगलगीजीभजिहनाइ॥ ६
सोईलैडरलाइयैलाललागियनपाइ॥ ७
॥ ७ ॥ विलषीलषेषरीषरीभरीच्च
नषवेराग॥म्रगनैनीसेननिभजेलषि
वैनीवेदाग॥ ८ ॥चितवनिसूषेदग
निकीहासीविनमुसकानि॥मानजन
योमानिनीजाननलियापियजानि॥ ९
हसिहसाइडरलाइड ठिवाहेनसूषेवेन
जकितषविजमेहरेहनकजितिरीझे
नेन॥ १० ॥अथसुरतान्तवर्णनं

तनसुरतान्तवर्णनं॥दीपउजारेहूपति
हिहरनवमनरतिकाज॥रहीलपटछ
विकीछटनिनैनेकोकुचीनलाज॥ ११॥
लषिदोरनपियकरकटनवासकुजा
वनकाज॥वरुनीवनगाछेदगनरही
गाढोकरिलाज॥ १२ ॥सकुचिसुर

तम्यारेंमहीविछुरीलाअलज्जाइ॥हरषि
हारिछुरिहिगभईहीरचिमईआइ॥ २३
पतिरतिकीवतियाकहीमषीलषीमु
सिकाइ॥कैकैसवैटलाटसीम्रलीचली
सुषपाइ॥ २४ ॥चमकतमवहासी
ससकलपटरूपरमुसिकान॥छजिह
रतिमोरतिमुकतिऔरमुकतिथ्रति
हानि॥ २५ ॥जदपिनाहनाहीनहीं
वदनलगीजकजाति॥तदपिभौंहहांसी
भरीहासीएठहराति॥ २६ ॥नहि
टीकोनगुलीवंदोनहिहमेलनहिहा
र॥सुरानसमेइकनाहिएनषसिषसिं
होतसिंगार॥ २७ ॥पसैजोरविपरी
तरतिरूपीसुरतरनधीर॥करतिकुला
हलकिंकिनीगह्योमौनमंजीर॥ २८ ॥
विनतीरतिविपरीतकीकरीपरसिपि

69

यपाय॥ हमिच्छनवोलेहीदियोजनरादिये
वनाय॥ १९ ॥मेरेव्रूपतनवातनलकतनव
हरावतवाल॥जगज्ञानीविपरीतरतिलं
षिविडुलीपियभाल॥ २० ॥राधाहरि
हरिराधिकावनिआश्रमेकेत॥दंपतिर
तिविपरीतसुषसहजसुरतहीलेत॥ २
॥ २१ ॥रमनकन्योहठिरमनकोरं
तिविपरीतविलास॥चितईकगिलाचन
मनरमलजमरोससहास॥ २२ ॥अथ
सुरतांतवर्णनं॥ रगीसुरतरंगपियहिं
एलगीजगीसवरात॥पैड़पैड़परठठकि
कैमेड़भरीऐड़ात॥ २३ ॥लहिरतिसु
षलगिहियैलषीजगोहीनीठ॥षुलनं
नमोमनवेंधिरहीवहेअधषुलीडीठ॥ २
॥ २४ ॥लषिलषिअषियाअधषुली
आगमोरिअगिराइ॥आधिकउठिलेटति
लटकिआरसभरीजमाइ॥ २५ ॥नीठिर

मनतेंघिरहीवहैंअधमुलीडीठ॥र
॥ २४ ॥लषिलषिअषियाअधषु
लीआगमोविमुगिराइ॥आधिकउ
ठिलेरतिलरकिआरसभरीझभाइ
॥ २५ ॥नीठिनीठिउठिवैठिहूंग्यो
यारीपरभान॥दोऊनीदमरेघेरेगरै
लागिगिरिजात॥ २६ ॥लाजगरवआ
रसउमगाभरेनैनमुसिकात॥रतिर
मीगनिदेहकीऔरेप्रभाप्रभात॥२७
कुंजभवनतजिभौनकोचलिएनंदर
किसोर॥फूलनिकलीगुलावकीचट
काहटचहुंओर॥ २८ ॥घोटलिमर
लियतनिसदईदईअसममोगात॥च
रधरदेषोधरधराउरकोअजोनजात
॥ २९ ॥छिनवउधारनछिनकु
वततिराघनछिनछिपाइ॥सवदिन
के

71

पियषंडितग्रथरदरपनदेषनजाइ ॥ २० ॥ वामौमोरमुहागकोइनचि
नहीपियमेह ॥ इनदोहीअषियानके
करिअलमोहीदेह ॥ २१ ॥ तीजपर
वसौतिनसजेभूषनवसनसरीर । स
वैमरगजेमुहकरीइहीमरगजेचीर ।
॥ २२ ॥ लषिलोनेलोइननकेको
इनहोइनआज ॥ कौनगरीवनिवाजि
योकितनूठ्योरतिराज ॥ २३ ॥ वह
किनिइहिवहनापुलीजवकववीर
विनास ॥ वचैनवडीसवीलहुचीह
घेसवैमास ॥ २४ ॥ हगमिहचन
मृगलोचनीभरोउलटिभुजगाथ
जानिगईतियनाथकेहाथपरसही
हाथ ॥ २५ ॥ प्रीतमहगमिहचनप्रि

75

याषान परससुख पाइ॥ जानि पिछ्वा
ति अज्ञान लौं नैकु न होति लखाइ॥ ३६॥
वन रस लाल चलाल की मुरली धरी लु
काइ॥ सौंह करै भौंह नि हसै दैन कहै न
टि जाइ॥ ३७॥ मुहु धारि प्यौ लखि र
हन रस्यान गोमिसमैन॥ फरकै ओठउ
ठी पुलकि गउ धरि जु निनैन॥ ३८॥ र

अथ परकीया॥ दोहा॥ सघन कुंज छाया
सुखद सीतल मंद समीर॥ मन ह्वै जात
अजौं वहै वा यमुना के तीर॥ ३९॥ मि
लि परछांही जोन्ह सौं रहे दुहनि गात र के ०
हरि राधा इक संग ही चले गली मैं जात
॥ ४०॥ सबील सन गोपाल के उर
गुंजन की माल॥ बाहर लसत मनो पि
ये दावानल की ज्वाल॥ ४१॥ मकरा
कृत गोपाल के सोहत कुंडल कान॥ र
धस्यो मनो हिय धर समर ड्योढी लस

73

नतिसान॥ ६२ ॥ सोहनथ्योह्योपी-
नपटस्यामसलौनेगात॥मनोनील-
मनिसैलपरआनपयोप्रभात॥ ६३
कितीनगोकुलकुलवधूकाहिनकि-
हसिखदीन॥कौनेनजीनकुलगली
ह्वैमुरलीसुरलीन॥ ६४ ॥ अधरध-
रतहरिकैपरतओठडीठपरजोत॥ह-
रितवासकीबासुरीइंद्रधनुषरंगहोत
॥ ६५ ॥ नाचिअचानकहीउठेविन-
पावसवनमोर॥जाननिहोनंद्दिन-
करीयहदिसिनंदकिसोर॥ ६६ ॥-
मवहीत्योसमुहातिछिनचलतिसब
निदेपीठ॥वाहीत्योठहराजयहकिब-
लगुमालोडीठ॥ ६७ ॥ अैचतिसीच-
नवनिचितेभईओरअरसाइ॥ फिरि-
उझकनिकोमृगनयनिदृगनिलगा-

२६

74

नियालाडू॥ ४८ ॥कंजनयनिमं
जनकिएबैठीग्रोरनिवार॥कचगु
थिनविवडीदैचितवतनंदकुमार
॥ ४९ ॥लीनेहूमाहूसमहसकी
नेजननहजार॥लोइनलोनेसिंधुन
नयेविनपावतपार॥ ५० ॥पकूचन
रुदिरनमुभटलोगेकसकेसकनाहि
लाघनहूकीभीरमेग्राषिवहीचलिजा
हि॥ ५१ ॥रेडुहनिकेहगामकम
विहकेनकीनेचीर॥हलुफोजहिरो
लेग्रोपरनगोलपरभीर॥ ५२ ॥ग
डीकुदुवकीभीरमेरहीवेठिदेपीठ॥न
जपलकपविजानडनसलजहमोही
डीठ॥ ५३ ॥सटपटानिसीससि
मुषीमुषधूघटपटढाकि॥पावक
कासीक्रमकिकैगइग्रोचकाफाकि
॥ ५४ ॥नीचीयेनीचीनिपटडी

ठिउहीलोदोरि॥ फिरिउचेनीचेट्टयोम
नठुलेगछकफोरि॥ ५५ ॥ इरोधरो
समीपकोलेनमानिमनमोद॥ होन
उहुनिकेहगनिकीवनरमरुसीविनो
द॥ ५६ ॥ नावकमरसेलाइकैनि॰
लकतनकनिइननाकि॥ पावकजारसी
रूमकिवैगईफरोघाफाकि॥ ५७ ॥
देछ्योअनदेछ्योकियोअंगअगसवे॰
दिघाइ॥ पैठनिमीननमेमरुजविवै॰
ठीचिनैलगाइ॥ ५८ ॥ उनहावीत
सिवैइनैइनसोपीमुसिकाइ॥ नैनमि
लेमननमिलिगयोदोउमिलवंगाइ॥॰
॥ ५९ ॥ पोगिकछूकरिपोरिनैपि
रचितईमुसिकाइ॥ अोईजामनलेत॰
ज्ञियनेहहैचलीजमाइ॥ ६० ॥ मेहूजा
ञोलोइननिजरानिवाछिहेजोनि॥॰

कौहैज्ञानोउहीढिकोउहीढिबिरचतीहो
ति॥ ६२ ॥जुगतिपियमिलनकीधू
रिमुकतिमुहदीन॥जोलहिएसंगसम
जनतौधरकनरकहूकीन॥ ६२ ॥
मोहूसौंतजिमोहदृ[चलेलागिइहिगै]छ
दृगचलेलागितिहिगैल॥छिनक
छ्वाइछविगुरुडरीछलेछवीलेछै
ल॥ ६३ ॥कोजानेह्वैहैकहाजगउ
पजीअतिआगि॥मनलागेनैननि
लगैचलैनमगलगिलागि॥ ६४
लईसौंहसीसुननिकीतजिमुरलीधु
निआन॥किएरहतनितरातिदिन
काननहीत्यौकान॥ ६५ ॥भ्रकुटी
मटकनिपीतपटचटकलटकतीचाल
चलचषचितवनिचोरिचितलियो
बिहारीलाल॥ ६६ ॥दृगउरझत
टूटतकुटुमजुरतचतुरचितप्रीत॥

कै८

२८

परनगाठडुरहिएनईदईयहरीन॥ह्ठ
वलनघेरघरघरनऊधरीनधरठह
राइ॥समकिवहीघरकोचलैमूलिर
वहीघरजाइ॥ ६८ ॥ज्वरनरवैनी
दनपैरहेरनकालविपाक॥क्विनं
कह्याकिउराकैनफिरषेगोविचमह्
विक्लाक॥ ६९ ॥रमकिचठनड
नरनम्रटानैऊनष्याकनिदेह॥भई
रहननटकोवटाम्रटकीनागरनेह॥
॥ ७० ॥लोभलगेहरिरूपकेकरी
माटन्हहिजाइ॥होइनवेचीवीचहीं
लोइनवुरीवलाइ॥ ७१ ॥नईलग
नऊलकीसकुचविकलभईअकुला
इ॥डहूंघोरथ्रैचीकिरैफिरकीलौटि
नजाइ॥ ७२ ॥इननैउननउननैइनै
लैरोयरतिनधीर॥निसिदिनजा
हीसीफिरैवाहीगाढीपीर॥ ७३॥

इतनैउतउतनैइतै छिननकहूठरान
नजकपरैचकरीभईफिरिआवतफि
रिजान॥ ७४ ॥तजीसकुचसकुचै
नचितबोलतबाकुकुबाक॥दिनछि
नदाछाकीरहतछुटैनछिनछबिछा
क॥ ७५ ॥ढोरहारनैहीढौरदूजीरा
रठैरैन॥कोहूआननआनमोनैनाला
गतिहैन॥ ७६ ॥चकीजकीसीहैर
हीबूजेबोलतनीठ॥कहाडीठलागी
लगीकैकाहूकीडीठ॥ ७७ ॥पिय
केध्यानगहीगहीरहीवहीहूनारि॥आ
पआपहीआरसीलषिरीजतरिजवा
रि॥ ७८ ॥उरउरजोचितचोरसो
गुरुगुरुजनकीलाज॥चढीहिडोरे
सेहिएकिएबनैगृहकाज॥ ७९ ॥
उवलीनैअतिचटपटीसुनिमुरलीधु
निधाइ॥हौनिकसीहुलसीसुतोगो

फूलसी हिय लाड ॥ ८० ॥ जोतन वहोतन
दिषाइ दिषी भई अमी के आक ॥ लगी
निरीछी डीठि अब है बीछी के डाक ॥
॥ ८१ ॥ लाल तिहारे रूप की कहौ री
ति यह कौन ॥ जासौं लागत पलक दृ
ग लागत पलक पलौ न ॥ ८२ ॥ व
सिम कौ चंद्र सबदन वसमाच दिषा
वनमाल ॥ सिथलौ सौधन नियननर
हिलगनि अगनि की ज्वाल ॥ ८३ ॥
याकी जननन अनेक रिनै क्रन छाइ नि
गेल ॥ करी षरी डुवरी मल गिनै रीचा
ह वेल ॥ ८४ ॥ मनि कज्जल चष
झष लगन उपज्यौ सुदिन सनेह ॥ कौ
नन्छ पनि है भोग वै लहि सुदेस सवदे
ह ॥ ८५ ॥ चितई ललचौहे चषन डा
रि घूघट पट माह ॥ छलसौ चली छुवा
हाइ कौ छिनक छबीली छाह ॥ ८६ ॥

नासामोरिनचाइइहूगकरीफकाकी°
मोह॥ काटेमीकमवानहिएगडी°
कटीलीमोह॥ २७ ॥ षोरिपनि
चभ्रकुटीधनुषवधिकसमरानजिका
न॥ हननननफनमृगनिलकसरसु
रषभालभरिनान॥ २८ ॥ फिर
फिरचितउनहीरहतटुटीलाजकी°
लाव॥ अंगअंगछविफौरमोभयो
भौरकीनाव॥ २९ ॥ हरिदाविर
जलजवतैपरैनवतैहिनलिकरैन
भरनवरानडूवननरनरहटघरी°
लोनैन॥ ३० ॥ रहिनसकौकर°
सकरिरत्योवसकरिलीनोमार॥
भटडुमारकियोहियोननडुतिभेद
सार॥ ३१ ॥ त्यौत्यौप्यासेईरह°
तज्यौज्यौपियतअघाय॥ सगुनस

लोनेरूपकीज्ञनचषनषावुझाय र
॥ ५२ ॥ नोननश्रोधिअनूपरूपल
ग्योमबजगनको ॥ मोहगलागेरूप
हगनिलगीअतिचटपटी ॥ ५३ ॥
त्रिवलीनाभिदिषाइकरिसिरहवि
सकुचिसमाहि ॥ गलीअलीकीओ
रहैचलीभलीविधिवाहि ॥ ५४ ॥
कीनेहूकोरिकजतननअबकहिका
हैकौन ॥ भोमनमोहनरूपमिलर
पानीमैकोलोन ॥ ५५ ॥ नेहन
नैननिकोकछूडपडीवडीवलाइ
नीरभरेनिसदिनरहैनजनप्यास
वुझाइ ॥ ५६ ॥ ललालवीलेला
लकोनवलनेहललहिनारि ॥ चार
हतिचूमनिलाइउरपहरनिधर

३०

निउनाहि॥ ९७ ॥ सुखसोवीतीस
म वनिसामनु सोहमिलिमाथ॥
मकामेलिगन्योज्जुछिनहाघन
लोसोहाथ॥ ९८ ॥ उडीगुडील
खिलालकीअगनाअगनामाहि
बोरीलौदैरीफिरनछुवनछवी
लीछाहि॥ ९९ ॥ देखौजागन
वैसिएसावारलगीकपाट॥ कि
नहैंआवनजातमजिकोजानेकि
हवाट॥ १०० ॥ वावनजातजेती
कटनवछिरसमलितासोन॥ आ
लवालउरप्रेमनरु नितोनितोदि
ढहोत॥ १ ॥ घलवढईवलक
विथकेकैनजुमनजुठार॥ आ
लवालउरफालरीघरीप्रेमनरु
जाह॥ २ ॥ छुटननपैयनछि

83

37

नवावसनेहनगरयह चाल। मासौ फिरि फिरि मारिए पूनी फिरै पुसाल॥ ३ ॥ निरदै नेह नयो निरखि भयो जगत भयभीन॥ यह अवलोनकह मुनीम सौ मारिए मीन॥ ४ ॥ कौवसिए कौ निबहिए नीति नेह पुर नाहि॥ लगालगी लोइन करौ नाहक मन बंधि जाहि॥ ५ ॥ देह लग्यौ ढिग गेह पति नऊ नेह निरवाहि॥ ढीली अखियन ही इतै गई कनखियन चाहि॥ ६ ॥ है हियरहत निहई छुई नई जुगनियह जोहि॥ आखिन आखि लगे दई देह दुबरी होहि॥ ७ ॥ नैना लागे निरह लगन छुटै छुटै हू प्रान॥ काम न आवत कहू तेरा मो कमयान॥ ८ ॥ प्रेम अडोल डुलै नही मुह बोलै अनखाइ॥ चितउन की मूरति बसी चितउन माहि लखाइ॥ ९ ॥ अलि इन लोइन सरन सरन को खरो विषम संचार॥ लगे लगा

एणवकेसेडूहूनिवारनसुमार॥ १० ॥ला
गनञ्जटिलकपालसमरकौनकारनवेहा
ल॥कारहनहिएडुमालकारनऊरहन
नटमाल॥ ११ ॥नघरुविचूरनडा॰
रिवैठगालगाडूनिजमाथ॥रख्यौराषि
हठलैगयोहथ्याहथीमनहाथ॥ १२।
वननननवैनिकमनलमनहमनह॰
मनडूनच्याडू॥हूगाखंडननगाहिलैगये
चिनवननचेपलगाडू॥ १३ ॥चिन
विनवचननिरहनहठिलालनवल
हगजोर॥सावधानकेवरपराएजाग
नकेचोर॥ १४ ॥डूहिकाटेमोपाडू॰
गडिलीनीमरनजिवाय॥प्रीतिजना
वनभीतिसोभीनजुकाचौंग्राय॥१
॥ १५ ॥जातमयानअयानहै॰
बैठगाकाहिठौन॥कोलनलचाडून॰

३२

85

लालकेलषिललचौहैनैन ॥ १६ ॥
नहानहाठाडोलछैयाछ्यामस्तुभगमि
मोर ॥ बिनुहीछिनडनगहिहैनश्रजौ
सुहैगडहिठौर ॥ १७ ॥ जमसुत्रपजमटै
घननहीदेषनमावलगान ॥ कह्नाकरो
लालनभरेनपलनैनचलिजान ॥ १८
॥ १८ ॥ नषमिषरूपभरेघरेनोर
मागनमुमिकान ॥ नजननलोचनला
लचीपललचौहीवान ॥ १९ ॥ छैकि
मुनीपकुचोगिलनश्रनिदीननाहिघा
ह ॥ बलिबामनचौचौतमुनिकोबलि
नुभहिपत्याहु ॥ २० ॥ नैनानैऊननमा
नहीकितेतौरहीमसुफाइ ॥ नननमनहारे
हूहैसेतिनमोकहावमाहु ॥ २१ ॥ लट
किलटकिलटकनचलनडटनमुक
की टछाह ॥ चटकभरौनटमिलिगयोश्र
टकभटकवनमाह ॥ २२ ॥ फिरिफि
रूपनकहिकहाकहीमावरेगान ॥ क

ह्ला वारन टेघे कहा अली चली कहे मान ॥ २३
तु घहाजू न चरचा न ही आनन आनन आ
न ॥ लगी रहै हू कादिए कानन कानन कान
॥ २४ ॥ वाके सव ज्रिय की कहत न ठौर
कुरो रल सैन ॥ छिन औरे छिन और से ए
कु विछ्या केनेन ॥ २५ ॥ कहत सवै कवि
कमल से मो मन नैन पघान ॥ नान र कन र
तु न विघल गन तड पजन विरह कु मान ॥ २६
ला ल जंगा मन मान ही नैना मोव स नाहि
कुम्हडे और वधु रंग ले औ चन ही चलि जाहि ॥
॥ २७ ॥ ल वि काली वे के मिस निलंगारि
मो हिग आय ॥ गयो अ चान क आगुरी ह्या
नी कुल हुराय ॥ २८ ॥ विलक चिकनई
चटक सोल फ निस ट क ले आइ ॥ नासि
लोनी सावरी नाग निलो ड सिजाइ ॥ २९
चितव नि भोर भाइ की गोरे मुह मुसिका
नि ॥ लग निलट कि आली गरे चित घटक
नि नित आनि ॥ ३० ॥ छिन छिन मै घट
कति सुहिय भरी भी ह्रमैजा ति ॥ का हिउच

लीबिनहीचितैनेकुंठनहीबिसवान ॥ ३१ ॥
ज्ञुनरीस्यामसनेंनभमुघसमिकीग्रनुर
हारि ॥ नेहदवावनजीदलौनिरषिनिमार
मीनारि ॥ ३२ ॥ देषनवाकुंकौनवाइनैर
देषौनैकनिहारि ॥ कवकीइकटकडटि
रहीटटियाग्रगुरिनिफारि ॥ ३३ ॥ मन
नथरनमेरोकत्यौनहुग्रापनेमयान ॥ ग्रर
हेपरनिपरिप्रेमकीपरहथपारिनप्रा
न ॥ ३४ ॥ मैनोमोकैराकत्यौनहूजिन
इकैपत्याइ ॥ लगालगीकरिलोइनिलि
उरमैलाईलाइ ॥ ३५ ॥ बैठाहैडुमदान
उनजलनबुफैवडवागि ॥ जाहीमोलार
ग्योहियोताहीकेहियलागि ॥ ३६ ॥ र
मोहिभरोसोरीफिहैउफकिफाकिइर
कवार ॥ रूपरिफावनहारयहवैनैनार
रिफवार ॥ ३७ ॥ ग्रगुरिनउचिभरुभी
नदैउलबिचितैवघलोल ॥ रुचिसोडु
हुनिहूनिकेचूमेचारुकपोल ॥ ३८

रहीपैजकीनीजुमैद्दीनीनुमैमिलाइ॥ गा
षोवैपकमाललैलालहिएलपराइ॥र
॥ ३९ ॥ ल्याऊंलालविलोकिएजीकी
जीवनमूल॥रहीभोनकेकोनमैमानर
जुहीसीफूल॥ ४० ॥ गलिहरिलोलियर
पथरोनहिहरलोग्ररधंग॥एकनहीक
रिराषिएग्रंगग्रंगमनिग्रंग॥ ४१ ॥र
लहिमनेधरकगाहनद्दिषाहिषीकी
डुठ॥गडीमुचितनाहीकरनकोरिलल
चौहीडीठ॥ ४२ ॥ गलीग्रधेरीमाजु
नीभोभटभेरोग्रान॥परेपिलानेपरस
परदोऊपरसपिछान॥ ४३ ॥ हरषि
नवोलीलषिललनतिरषिग्रमिलसं
गसाथ॥ग्राषिनहीमैहसिधसोसीस
हिएपरहाथ॥ ४४ ॥ सरससुमिल
चितनुरगकीकरिकरिग्रमितउठान
गोयनिवाहेजीतिएप्रेमषेलचौगान
॥ ४५ ॥ दोऊचोरमिहीचिनीषेलर
नषेलग्रघान॥डरातिहिएलपराइए

केसुवनहिएलपरान॥ ४६ ॥सुनि
नियचलनसुभारद्वैडह्लोपरोसहिनाहि
लसीनमासेकेहगनिहासीश्रासुनिमा
हि॥ ४७ ॥मेलविनारीग्यानकरिरा
खोनिरधारयह।वहईरोगनिदानवेद
वहैश्रोषदवहै॥ ४८ ॥नहिश्रङ्गार
नहिसाइधरचितचहुर्योनकिनीर
परसिपुरहरीलेफिरतिविहसतिधस
तिनतीर॥ ४९ ॥सुहपषारिसुडहरसि
जैसीसमजलकरहाडु॥मोरडवैधुटैनि
वैनारिसरोवरझाइ॥ ५० ॥विहसति
सकुचतिसीदिएकुचश्राचरविचवाह॥र
भीजेपटतटकोचलीन्हाइसरोवरमाह
॥ ५१ ॥सितवनजितवनहितहिएकि
एनरीदैनैन॥भीजेतनदोऊकपैक्योंहूज
पतिवैन॥ ५२ ॥देवरफूलहनेजुसु
सुउठेहरषिअंगफूल॥हसीकरतश्रो
षदसषीदेहददोरेभूल॥ ५३ ॥श्रोरस
वेहाथीहसैगावैभरीउछाह।नहीवधू

विलषीफिरैक्यौदेवरम्राह ५४ व
न्निमकोचद्रमवदनवसमाचद्रिघावनवा
ल भियलौसाधननियनियननहिल
गनिम्रगनिवीज्वाल॥ ५५ ॥अथ सम अव
याना॥ फिरि फिरि विलषीहेलघति
फिरि फिरि लैनडमाम॥माईमिरकचमे
नत्र्योवीत्योतुननकयाम॥ ५६ ॥मन
मूकौवीत्योवनोऊषोलईउषारि॥हरी
हरी अरहरम्रजौधरधरहरजियनारि
॥ ५७ ॥केलिकैमधुमनजहघनम
धुपनिवेपुंज॥मोतुनकरिनोसाम्रुरेम
वीमघनवपुंज॥ ५८ ॥हरीमपल्लव
लालकरलषितमालकीहाल॥ऊमि
लानीडरमालधरिफूलमालज्योबाल
॥ ५९ ॥अथलक्षिता म्रतिदुराइदु
रननहिम्रगटकरतरनिरूप॥छुटैपीक
औरैउठीलालीम्रोठम्रनूप॥ ६० ॥र
हेडीडिगधरीभरीमथनियावारि॥फे
रनकरउलटीरईनईविलोवनहार

॥ ६१ ॥ कोरीजतननकीजैनङुनागरिदे
हडौन॥कहैदतविनतीकनैनानईठघाईर
मैन॥ ६२ ॥पूछैकोरखीपरतनमगवसि
रहीसनेह॥मनमोहनछुविपरगटीक
हतकटीलीदेह॥ ६३ ॥मैयहतोहीमे
लषीभगतिअपूरववाल॥लहिप्रमार
दमालाजुभौननकेदेवकीमाल॥ ६४
पलननचलेजकिसीरहीथकिसीरहीर
उसास॥अवहीतनतिनयोकहौमनप
ठयोकिहिपास॥ ६५ ॥नाकचढैसी
वीकरैजितैछबीलीछैल॥फिरिफिर
भूलिवहैगहैपियककरीलीगैल
॥ ६६ ॥रहिमुहफेरिकिहैरिइतर
हितसमुहैचितनारि॥डीठिपरसउ
ठिपीठिकेपुलकेकहतपुकारि॥ ६७
नटिनसीसमावनभईलुटीसुषनकी
मोट॥चुपरहिएचारीकरतमारीप
भसरोट॥ ६८ ॥मोसोमिलवतचा
तुरीतूनहिमानतिभेव॥कहैदतय

स्वगदहीमगद्यौग्रभुसप्रवेस॥ हर
सहीरगीलीरनिजगजगीपगीसुध
वैन॥ अलसोहेसोहेकिएकहेहसोहै
नैन॥ ७० ॥ परकीछिगकनहार
विघनमोहनसुभगसुवेष॥ हहर
हलददविदेनयहसदादलदकी
रेष॥ ७१ ॥ अथक्रियाविदग्धा
घरीभीरहूभेटिकैकिनहहैरनआइ
किरैडीठजुरिडीठिसोसबकीडीठब
चाइ॥ ७२ ॥ कहाइपहरिपटहट
कियेवैटीमिसपरनाम॥ हगबल
सुधरकोवलीविद्याकिएघनस्याम
॥ ७३ ॥ अथवागविदग्धादोहा॥
धासुधरीकनिवारिपकलिनललि
तम्रलिपुंज॥ जमुनातीरनमालनरु
मिलनमालतीकुंज॥ ७४ ॥ अथ
दग्धादग्धा॥ नवलालसदग्धा॥ कोपि
जननकोउकोतनकीनपतनजाइ
जोलोआलेचीरलौरहैनपौलपरा

93

32

इ॥ ७५ ॥अथचिंतादसा॥सुनिधु
निसहितनसनेहलषिहरैहियोसुमिर
काइ॥कौयहवानवनैमषीकैज्ञिय
कोडुषजाइ॥ ७६ ॥अथस्मरणदसा
पियकेध्यानगहीगहीरहीवहीह्वैना
रि॥आपआपहीआरसीलषिरीझत
रिझवार॥ ७७ ॥मकैसनाइनविर
हनमनिसिदिनअधिकसनेह॥रहैव
हैलागीदृगनिदीपसिषासीदेह॥ ७८
कवकीध्यानलगीलषौयहघरल
गिहैकाहि॥डरियतभृंगीकीटलौ
मतवहईह्वैजाहि॥ ७९ ॥सुरतनर
नालफनानकीउयौनसुरठहराइ॥
दवीगगविगाविवौवैरीवोलसुनाय
॥ ८० ॥हितुकरितुमपठयौलगैवा
विजनाकीवाइ॥टरीनपतिनतवी
नऊवलीपसीनाझाइ॥ ८१ ॥ऊवे
चितैसराहियतगिरहेकवूतरलेत॥
ह्माफलकनमुलकनवहलननपुल
कनकनहेन॥ ८२ ॥कारेवरनड

गवैलैकतआवतइतगोह॥कैवालर
खोलवैसवीलगोपरघराढह॥८३
अथमद्यपानवर्णनं॥ मिलिचंद
नवैदीरहीगोरेमुहनलघाइ॥ज्योंज्यों
मदलालीवढैत्योंत्योंउघरतजाइ॥
॥ ८४ ॥ रूपसुधासववैछकेआसम
वपियतवनैन॥ प्यालोओठपियाव
ठनरयोलगाएनैन॥ ८५ ॥ रीठो
टवोलनहसनपोहिविलासअपो
ह॥त्योंत्योंचलनतनपियनयनछकेछ
कीनवोर॥ ८६ ॥ वामनमामे
कविरहीविवसवारुनीसेइ॥ मुकनि
हसनिहसिहसिजकनिझकिझकि
हसिहसिदेइ॥ ८७ ॥ हसिहसिहेर
तिनवलतियमदकेमदउमदाति॥
वलकिवलाकिवोलनवचनललकि
ललकिलपटाति॥ ८८ ॥ घलिन
वचनअधघुलिनहगललितनैर
दकनजोति॥ अरुनवदनछविमद
छकीषरीदवीलीहोति॥ ८९ ॥

लिपटलजीलीनवलतियवहकीवा
ढलीमेंहु ॥ न्यौन्योअति मिठीलगेज्यो
ज्योंचीरोंदेहु ॥ २० ॥ अथहावबर्ण
ने ॥ राधाहरिहरिराधिकाबनिआएसं
केत ॥ दंपतिरतिविपरीतसुषसहजं
सुरतहीलेत ॥ २१ ॥ अथललित
हाव ॥ नैरीचलतिचितौनिमृदुमधु
रमंदमुसिकान ॥ ज्यादरहीसषिलाल
कीलषिअननिमिषअषियान ॥ २२ ॥
अथविलासहाव ॥ हसिओठनिबि
चबकरउचेकियेनिचौहैनेन ॥ घरेअरु
पियकेपियाप्यावरीलगीमुहदै
न ॥ २३ ॥ नाकमोरिनाहीकरैनारि
निहोरीलेहु ॥ छुवतओठवियआंगुरि
रिसीवदनफोदेहु ॥ २४ ॥ परमन
पोहनलषिरहनेलगिकपोलकेध्या
न ॥ करलेकोपाटलविमलप्यारीपठ
येपान ॥ २५ ॥ लहिरतिसुषलगि
रहीरेलषीलजोंहीनीठ ॥ षुलतनर
मोमनबधिरहीवहेअधषुलीडीठ

॥ ९६ ॥ ध्यानस्थानविरामानप्रानिसुद्धिनरहनदिनराति॥ पलकंप्रानिपलकनिपलकपलवपसीजनिजाति॥ ९७ ॥ सकेमनाइनविरहनमनिसिदिनअधिकसनेह। रहैवहैलागीहगनिदीपसिषासीदेह॥ ९८ ॥ अथगुनकथन॥ सोहनस्वाहेपीतपटस्यामसलौनेगातमनोनीलमनिसैलपरआतपपसोप्रभात॥ ९९ ॥ अथउद्वेगदसा। औरेभांतिभएववचौसरचंदनचंदपतिविनअतिपारतविपतिमारतमारुतमंद॥ १०० ॥ अथप्रलापदसा॥ मोसोंमनवोलोइहांसषिआपनेंदलाल॥ मोहनकेनयोवकिउठनभूविकलअतिवाल॥ १०१ ॥ अथउन्माददसा॥ नजीमजेवमजैनविनवोलनवावउवाक। दिनछिनदालावीरहनछुटैनछिनतछिवाक॥ १ ॥ अथव्याधिदसा।

मैलैदियोलयोसुकरछुवनछकिनकि
गोनीर॥लालतिहारोअरगजाउरह्वै
लग्योअबीर॥ २ ॥बरवै॥गिरि
घ गइहाँडुपरियारहिगइआगि॥घरर
कीवादविसरिगइगुहनइलागि॥
॥ ३ ॥अथसात्विकभाव॥उरि
गनपानइगुलाननिरलषिसवअस
वेहाल॥कंपकिसोरीदरसकेषरेलर
जानेलाल॥ ४ ॥बिहसिबुलाइवि
लोकिउतपोढतियारसघूमि॥पुल
किपसीजतपूतकोपियचूम्योमुह
चूमि॥ ५ ॥रहोगुहीबेनीलषेगु
हिवेकेत्यौनार॥लागेनीरचुवान
जेनीठिसुषाएवार॥ ६ ॥स्वेदस
लिलरोमांचकुसगहिदुलहीअरु
नाथ॥दियोहियोसंगनाथकेहा
थलियेहीहाथ॥ ७ ॥दुविनैवि
नहलनिवलतिहसनिनसुकनि
विनारि॥लिषिनचित्रपियलषि

चितैरही विचलौ नारि ॥ ८ ॥ कहा
कहौ वाकी दसा सु नि प्रान निसैं ईस ॥ ९
विरह ज्वाल जरि बोल षेम रि बोभयौ
असीस ॥ ९ ॥ नैकु न जानी परनिहै
पसौ विरहतन न छाम ॥ उठति हिया
लौ नाद है रिलेन तिहारो नाम ॥ १०
कहा लहै ने ह्रगा करे परे लाल वेहा
ल ॥ कहूं मुरलिका पीत पट कहूं मु
कुट वनमाल ॥ ११ ॥ बाल बेल सूर
सी सुषद इहि रुषे रुष घाम ॥ फेरङ
हडही की जिय सुरस सीच षन स्या
म ॥ १२ ॥ इहि हि विविविविरि उठति
है कति कवि थकी इ पाइ ॥ वाकी ज्वर
वलि वैद लौ तोरस जाइ न जाइ ॥ १३
विरह विकल विनही लषी पानी द
इ पठाइ ॥ याक विहूं नीयो सु चित
सुने वाचत जाइ ॥ १४ ॥ रंग राती
राते हिऐ प्रीतम लषी वनाइ ॥ पाती

38

पातीविरहकीक्वातीरहीलगाइ ॥ १
॥ १५ ॥ नरकुरमीऊपरगरीकज्जर
लजलदिरकाइ ॥ पियपातीविनही
लिषीवाचीविरहेवलाइ ॥ १६ ॥ क
रलैसुधिवढाइ मिरडुरलगाइभुज
भेटि ॥ लषिपातीपियकीलषीवा
वतधरतमभेट ॥ १७ ॥ विनपिन
मारकजोगगनिभयोक्षयेसुनमो
गा ॥ फिरविनफूलसोज्योइमीमसु
येजारजजोग ॥ १८ ॥ परतिषदो
षपुरानमुनिपुलकिहसीसुषदा
नि ॥ कसिकरिराषीमिश्रहसुहस्या
ईसुसकानि ॥ १९ ॥ वकुथनलेश्री
मानकरिषारादेनमराहि ॥ वैठव
धूहसिभेटसोरहीनाहसुहचाहि
॥ २० ॥ रविवंदोकरजोसेसुने
मामवेवैन ॥ भएहसोहेसवनिवे
श्रतिश्रनषोहेनैन ॥ २१ ॥ अथक
लहारसो ॥ श्रनवारषाकेषनश्रसिमि

यदारननिरखत॥ फिरतपजेइहिहे
नपरतियहूगाजलथलभरन॥ २२
अथअद्भुतरस॥ हनीपूतनाअघहे
मौजगामुहमैदिषराइ॥ कहाजानि
येकौभयौअगाटनंदघरआइ॥ २३
अथविक्षितहाव॥ नथुनीगजमुर
कनानिकीलसनचारुसिंगार॥ जि
तिपहिरेमुकमारननओरआभर
नभार॥ २४ ॥अथमोटाइतहाव
कहूहीब्रजमेंलरयोमोहिवलंक
गुपाल॥ मुपनेहूकवहूहिएलगेन
नुमनेदलाल॥ २५ ॥अथकुट्टमि
तहाव॥ प्रीतमकोमनभावनौमि
लनवाहदैकेंठ॥ वाहीदूटीनकेंठ
नैनाहीकुटीनकेंठ॥ २६ ॥अथ
विहृतहाव॥ दोऊचाहभरेपरेचार
हैबाख्यौवहैन॥ नहिजाचकमुनि
मूमलौबाहरनिकसनवैन॥ २७
अथविवोकहाव॥ प्रानपियारापि
गपसोतूननकानउहिओर॥ ऐसोउ
रजकठोरतोल्यायहिडराजकठोर॥ २८

अथ विभ्रम हाव ॥ चली सुली कहि कौं-
नपैं वंडुकौ नकैं भाग ॥ डलहों कैं छुक कुव
नपैक है हनै अनुराग ॥ २९ ॥ स्वनिय ग-
धुनि चिन ईहनै झानि हिप ही पीठ ॥ च
कीकुकी सकुचीउरी हसील जो ही डीठ
॥ ३० ॥ **अथ संजोग शृंगार ॥** गोपिन
संगनिसि सरदकी रमित रसिक रस रा-
स ॥ लहाछेह अति गति नकी सबन लं
षे सब पास ॥ ३१ ॥ मिस ही मिस आनप
ड सहदई सबै बहराइ ॥ चले ललन म-
न भावतिहि तन की छांह छिपाइ
३२ ॥ **अथ विप्रलंभ शृंगार ॥** मास्योम
नुहारि न भरी गारी षरी मिठाहि ॥ वाकौ
अति अनषाहटौ मुसकाहट बिन नाहि
३३ ॥ जालरंध्र मग अंगनि कौ कछु उजा
स सो पाइ ॥ पीठ दिए जग सो रह्यो डीठ
झरोषा लाइ ॥ ३४ ॥ सोवत सुपनै स्या-
म घन हिलि मिलि हरत वियोग ॥ न
वहूं टरि किनहूं गई नींदौ नींदन योग ॥
३५ ॥ रससिउनाहिउरानेटई छवि मछु नारि-
गलाल ॥ राषत प्रान कपूरा लौं कैं जु-
न्हैंन लाल वहै चुहटली माल ॥ ३६

देषनहुंकपरलैंहुंजाइजिनलाल किं
नकिननानपरीषरीकननलूवीलीगा
ल॥ ३७॥ जोवाकेननकीदसादेष्यो-
ताहूनआप॥ नौबलिनैकविलोकिप
वलिअचकातुपचाप॥ अथ वीभत्स
रस॥ चलयोपीकउगारमुषगिस्यौस
जगनिवास॥ मनोविरहमारेयोपतौ
नौष्फपंजरसास॥ ३८॥ अथ सांतरस
हियोजसीसचहाइलैआक्षीभांति म-
हेरि॥ जायेसषचाहनतिषयोनाकेदुष
इनफेरि॥ ३९॥ मैनपाइबैनापसोरा
ष्योहियेहमाम॥ मनकवकूकआ
वैंहापलकपसीजरस्याम॥ ४०॥
तमकरिमुहनारहरपसोइहधरि
हरिचितलाइ॥ निषंषिषापरिहरि-
अनौनारहीवेगुलगाइ॥ ४१॥ जगत
ननायोजिहसकलसोहरिजान्योना-
हि॥ ज्योआषिनअगदेषिएआषिन
देषीजाहि॥ ४२॥ जपमालाछापैति
लकसोनएकोकाम॥ मनकाचेनाचे
वृथासाचेरांचेराम॥ ४३॥ सोरठा॥ मै
समुझ्योनिरधारयहजगकाचोकाच
सो॥ एकैरुपअपारप्रतिबिंबितलखिल-

हियतजगात ॥ ४४ ॥ बुधिग्रजमानग्र
मानअमितकियुनीठठहराइ ॥ स्मृतम
गतिपरब्रह्मकीअलषलषीनहिजा
इ ॥ ४५ ॥ तोलगयामनसदनमेहरि
आवेकिहवार ॥ विकरजेटेओलेनि
पटषुलेकपटकेपाट ॥ ४६ ॥ याभवपा
रावारकोउलषिपारकोजाइ ॥ तिय
कविछायाग्राहिनीग्रसेवीचहीआ
इ ॥ ४७ ॥ पनवारीमालापवरआव
नकछूउपाव ॥ नरिसंसारपयोध
कोतरिबाकेकानाव ॥ ४८ ॥ हरभज
नप्रभुपीठदेगुनविस्तारनकाल ॥ प्रग
टतनिरगुननिकटहीचंगरंगकोपाल
॥ ४९ ॥ व्रजवासिमकोउचितनधननवध
नकुचितनकोउ ॥ सुचितनआयोसुचि
तई ॥ काहोकहानेहोइ ॥ ५० ॥ भजन
कह्योतातेभज्योभज्योनएकेवार ॥ दूर
भजनजानेकह्योतानेभज्योगवार ॥ ५१
यहविरियानहिओरकीतूकरियाअ
गसाधि ॥ पाहमनाउचहाहजिनकीने
पारपयोधि ॥ ५२ ॥ ज्ञानजानबिनहो
तहेज्योजियमेसंतोष ॥ होनहोनज्यो

होहैनाहोइधरीमैमोष ॥ ५७ ॥ नीकी
दईअनाकीनीफीकीपरीगुहारि ॥ न
ज्यौमनोतारनविरदवारिकुवारनता
रि ॥ ५८ ॥ कौनभांतिरहिहैविरदअ
बदेखिवीमुरारि ॥ वीधेमोसोआइ
कैगीधेगीधहितारि ॥ ५९ ॥ दीरघ
सासनलेहुदुष सुषसाईमनभूल ॥
दईदईक्योकरतहोदईदईसुकबूल
६० ॥ बंधुभएकादीनकेकोतार्योरघु
राय ॥ तूठेतूठेफिरतहोझूठेबिरदबु
लाय ॥ ६१ ॥ थोरेईगुनरीझतेबिसरा
ईवहबानि ॥ तुमहूकान्हमनोभए
आजुकालिकेदानि ॥ ६२ ॥ कबको
टेरतदीनरटहोतनस्यामसहाइ ॥ तु
महूलागीजगतगुरुजगनायकजगु
बाइ ॥ ६३ ॥ प्रगटभएद्विजराजकु
लसुबसबसेब्रजआय ॥ मेरेहरो
कलेससबकेसोकेसोराय ॥ जौजे
चितमेरैनतोजिहिपतितनकेसाथ
॥ मेरेगुनऔगुननगननिगनौगो
पीनाथ ॥ ६४ ॥ मोहूदीजैमोषजो
अनेकअधमनिदई ॥ ज्यौबांधेही

नाथनैनाबाधोअपनेगुननि ॥ ६६ ॥ ए
नैऊकोटिकसेग्रहैनोऊलाषरुजा
र। मोसंपतिअरुपतिसदुविपतिवि
दारनहार ॥ ६७ ॥ औहोत्योहीहेउजा
नैहरिअपनीचाल। हठनकरोअति
करनहैमोनदिगोगोपाल ॥ ६८ ॥ क
नैकुमननअगाकुटिलगतिजोनदीनद
याल ॥ दुषीहेऊगेसरलहियवसत
त्रिभंगीलाल ॥ ६९ ॥ मोहिंतुमेवा
दीबहससकोजीतेनदुराज ॥ अपनेअ
पनेविरदकीदुहुनिवाहनलाज ॥ ए
॥ ७० ॥ निजकरनीसकुचेहवान
सकुचावहनइहचाल ॥ मोहूसेनितवि
मुषवेसननैरहितगोपाल ॥ ७१ ॥ नौव
लिहैभलियैवनीनागरनंदकिसोर ॥
जोतुमनीकेकैलषोमोकरनीकेओ
र ॥ ७२ ॥ समैपलटपलटैप्रकतिकोन
नतजैनिजचाल ॥ भोअकरुनकरुना
करोइहिकपूतकेलिकाल ॥ ७३ ॥ ए
अपनेअपनेमतलगेवादिमचावतसो
र। जोतुमनीकेकैलषोमोकरनीकीओ
ओर ॥ ७४ ॥ ज्योंत्योंसबकोसेइवोएकै
नंदकिसोर ॥ ७५ ॥ चलनननपावत

४१

मुष

निरतममगनगाइपञ्यौअतिग्रास॥ऊवड
नेगगिरिधरवद्यौमैनामैनमवास॥७
॥ ७५ ॥ पाश्रनुरागीचित्तकीगतिसमु
कैनहिकोइ॥ज्योंज्योंबूडैस्यामरंगत्यौं
त्यौंउज्वलहोइ॥ ७६ ॥ मोहनमूरतिस्
स्यामकीअतिअद्भुतगतिजोइ॥बसत
सुचितअंतरतऊप्रतिबिंबितजगहोइ
॥ ७७ ॥ तिनपुतिएकनहीरहतनैनै
मननमनएक॥चहियतजुगलबि
सालयिलोचनजुगलअनेक॥ ७८ ॥
मीसमुकटकटिकाछनीकरमुरलीउ
रमाल॥यहबानकमोमनसदावसोबि
हारीलाल॥ ७९ ॥ नजिनीरयहरिरा
धिकाननउतिकरअनुराग॥जिहब्रज
केलिनकुंजमगपगपगहोतप्रयाग
॥ ८० ॥ मोरमुकटकीचंद्रकनयौंरा
जतनंदनंद॥मनुससिसेषरकीअकस
कियसेषरसतचंद॥ ८१ ॥ अथमान
स॥कहतनितदेवरकीकुमतिकुलतिय
कलहडराइ॥पंजरगतिमंजारढिग
सुकलौंसूकतजाइ॥ ८२ ॥ प्रलयकरन
बरसनलगेजुरिजलधरइकसाथ॥सुर
पतिगरबहरयौहरषिगिरिधरगिरिधर
हाथ॥ ८३ ॥ लोपेकोपेइंद्रलौंरोपेप्रल

यमुकाल॥ गिरिधारीगयेसबैगोगो-
पीगोपाल॥ ८४ ॥ प्रतिबिंबितजय
माहदु निदीपनिदूरपनधाम॥ सब
जगजीतनकोकियोकायवूहमनो
काम॥ ८५ ॥ रदनननरनजयमाहमु
बलषिलाषनकीफौज॥ जाबिनिरा
षाऊबलैलैलाषनकीमौज॥ ८६
बलनपायनिगुलीगुनोधनमनमु-
त्रियमाल॥ भेदभईजयमाहमौभा
गत्वाहियनभाल॥ ८७ ॥ घोहलका
देबलषतेतैजयमाहभुत्राल॥ उह
त्रघामुरकेपरेओहरिगायगुवा
ल॥ ८८ ॥ चिरजीवोजोरीजुरैक्यो
नसनेहगुभीर॥ कोघटिएवृषभा
नजावैहलधरकेबीर॥ ८९ ॥ अ
पभावउदयवर्णनं॥ हयहितकरि
प्रीतमलियोकियोजुसोतिसिंगा
र॥ अपनेकरमोतिनगुथ्योभयोह
रहरहार॥ ९० ॥ बिधुसोजावककं
सोतिपगनिरषिहसीगहिगाम॥
महजहमोहीलषिलियोआधीह-
मीउमाम॥ ९१ ॥ अपभावसेथि-
कुरेनलाजनलालचोप्योलषिनेह

रोगहू।सटपटातलोचनषरेभरेसको
चमनेहू॥ ९२ ॥अपभावसबल॥१
वालमवारेसोंनिकेमुलिपरनारिविहा
र॥भोरसअनरसरिसरलीसीकषीक
कुवार॥ ९३ ॥अथवसंतविनुवर्न
नं॥वनवाटनपिकवटपालषिविराह
लिननमेन॥ऊहहूऊहूकरिकरिडठेक
रिकरिगनैनैन॥ ९४ ॥दिसिदिसि
कुसुमितदेषियतउपवनविपिनस
माज॥मनहूविपोगनकोकिएसरपं
जरविनुराज॥ ९५ ॥हियओरसीहै
गईटरीओधिकेनाम॥दूजीकरिउ
रीवरीवौरीवौरेआम॥ ९६ ॥भोय
हऔसाईसमोनहासबढदुषदेत॥१
चैनचाटकीचादनीडारतकिएअवे
न॥ ९७ ॥कीनेहिएहीनैकसुरिकरधू
घटपटटारि॥भरिगुलालकीमूठसो
गईमूठसीमारि॥ ९८ ॥दिगोजुपि
यलषिचयवनमेषेलनफागुषियाल
वाढतहूअतिपोरसनकाढनवैगुर
लाल॥ ९९ ॥छुटतमुठीसंगहीछु
टेलोकलाजकुलचाल॥लगोदुहूनि

२ऊ

४३

सुकमाथहीवलवितनैनगुलाल॥ हे
रसभीजैदोउडुंनितोदिकहैटैन
लविमोहिरकतप्रेमरंगभरिपिचका
रीनैन॥ १ ॥ गिरैकांपिकछुकछुर
हैकरपसीजलपटाउ। लोइनलाल
गुलालकीमुठीझुठीह्वैजाउ॥ २ ॥
ज्योंज्योंपटझटकतिहठतिहसतिन
चावतिनैन॥ त्योंत्योंनिपटउदारहू
फगुवादेतवनैन॥ ३ ॥ छकिरसाल
सौरभसनेमधुरमाधवीगंध॥ ठौर
ठौरझौरतझपतभौरझौरमधुअंध
॥ ४ ॥ यहवसंतनखरीअरीगरम
नसीतलवात॥ कहिक्योंप्रगटेदेखि
यतपुलकपसीजेगात॥ ५ ॥ फिर
घरकोनूतनपथिकचल्योचकितचि
तभागि॥ फूल्योदेखिपलासवनस
मुहींसमझिदवागि॥ ६ ॥ रनितभृं
गघंटावलीझरतदानमधुनीर॥ मंद
मंदआवतचल्योकुंजरकुंजसमीर॥
॥ ७ ॥ चुवतसेदमकरंदकननतरु
नरतरुबिरमाइ॥ आवतदछिनदेसतै
थ्योथक्योबटोहीवाउ॥ ८ ॥ रुक्योसांक
रीकुंजमेकरतझांझझकुरात॥ मंद

मेदमानननरगधूटनआवनजान॥ ९
ह्वोरकेनाहनवोहरूगकापिचकीज
लजोर॥सेवनरंगलालीभईविथनिघ
लोचनकोर॥ १० ॥अथग्रीषम॥ना
ह्निनपावकप्रवललुवैचलनचहू
पास॥मानोविरहवसेनकेग्रीषमल
नडमास॥ ११ ॥कहलानेएकतवस
नअहिमयूरमृगबाघ॥जगतनतपोव
नमोकियोदीरघदाघनिदाघ॥ १२
वैठिरहीअतिसघनवनपैठिसदन
तनमाह।देषिदुपहरीजेठकीछाहो
चाहतिछाह॥ १३ ॥अथवरषा॥
तियनरसौहैचितविएकरिसरसौहै
नेह॥धरपरसौहैहैरहेकरवरसौहेम
ह॥ १४ ॥पावसघनअंधियारमेर
ह्योभेदनहिआन॥रातिद्योसजानीप
रैलषिचकवीचकवान॥ १५ ॥छिन
कवलनठठवानछिनकभजेप्रीतमग
हडार।वढीअटादेषतघटाविसमठट
मीनार॥ १६ ॥पावककरनैमेहझर
दाहककडसहविसेष॥दहैदेहवाकैपर
सयाहिदृगनिहीदेष॥ १७ ॥ऊरग
कोपनजिरंगालीकरतित्रवनिजराजो

111

44

इ॥पावसगुरुजनबातयहदूहिनकह
रगाहोइ॥ १८ ॥धुरवाहोहिनअलि
देहधुवाधारनचहूंकोद॥जारतआ
वनजगनकोपावसप्रथमपयोद
॥ १९ ॥हठनहठीलीकरसकेय
हपावसरितुपाय॥आनगांठिघु
टिजातजोमानगांठिछुटिजाय
॥ २० ॥वेईचिरजीवोअमरनिधर
कफिरोकहाय॥छिनविछुरेजिन
केनहींपावसआवसिराय॥ २१ ॥पा
वसकठिनजुपीरअवलाकौउघ
सोहमसकै॥तेऊधरतनधीररजनीबी
उसमसउपजै॥ २२ ॥अवनजलाउउ
पाउकोआयोसावनमास॥घेलन
रहिवोघेमसोवेमउजमसूमवीवास
॥ २३ ॥वामाभामाकामिनीकहि
वोलेप्रानेस॥प्यारीकहतनषिसानन
हिपावसचलनविदेस॥ २४ ॥रही
हकीकौहूंसुचलिआधिकरानिप
धारि॥हरतितापसववैसकोउ
रलगायाविवपारि॥ २५ ॥विगसन
नववल्लीकुसुमनिकसतपरिमल
पाइ॥परसिपजारतविरहहियव

रसिरहेकीवाह॥ २६ ॥अथसरदवर्न
नं॥धनधेरोकुटिरोहरसवलीचहूदि
साहह॥कियोसुचैनोआऊजगामरदसु
रमरनाह॥ २७ ॥अथहेमंतवर्नने
औओोवढतिविभावरीओोओवढन
अनंत॥औओकसवलोकसुषकोव
ओकहेमंत॥ २८ ॥कियोसवैजगर
कामवसजीनेजिनेअजेय॥ऊमसुमस
रहिसरधनुषकरअगाहनगाहननदे
य॥ २९ ॥मिलिविहरनविकुरनमरन
दंपतिअतिरसलीन॥नूतनविधिहेर
मंतविनुजगतनजुरापाकीन॥ ३० ॥आ
वतजातनजानिएतेजनहिनजिसियरा
न॥घरहिनवाईलोधदोघोपूसदि
नमान॥ ३१ ॥अथसिसिर॥नपन
तेजनपितापियतअतुलतुलाईमाह॥
सिसिरसींकैकोहूनमिटैविकलपटतिय
नाह॥ ३२ ॥लगतसुभगसीतलकि
रनतिसिदिनसुषअवगाहि॥माहससी
भ्रमसूरत्योरहतचकोरीचाहि॥ ३३ ॥र
हितसकीसवजगतमेसिसिरसीतके

आस॥ गरमिभालिगरबैभईतियकुंख
बलमबास॥ ३४ ॥ अथप्रस्ताविक
गरबनावरुजीअलकविनवनभौ
हकमान॥ आधुवकाईहीवरैनरुलिन
रंगमनान॥ ३५ ॥ अलियारेदीरघन
यनकितीननरुतिसमान॥ वहविन
वनऔरककूजिहवमहोनमजान
॥ ३६ ॥ वियमनरुचिहैवोक हिनन
नरुविहोहिसिगार॥ लाखकोआवि
नवटेवटेवहाणवार॥ ३७ ॥ विनरे
दषिचकोरत्योनीजैभजैनभूष॥ विन
गीतुंगोआगारकीतुगोकिचंदमयूष॥
॥ ३८ ॥ कालवृनदूतीविनामैरनऔ
रउपाउ॥ फिविनाकोदरैविनैपाकेप्रेम
लदाउ॥ ३९ ॥ ननवानहूनसवादं
लीकोनवानपरजाय॥ नियमुषर
तिआरंभकीनहिंपरुठियेमिठाय॥ ४०
दहिनपियहूवामवसविसराईतिय
आन॥ एकैवाघरिकेविरहलागेवरस
विहान॥ ४१ ॥ आपदियेमनकेरि
लेलपरैदीजीपीठ॥ कौनचालयहरा

पल

ल

४५

बरीलालललुकावनजीर ॥ ४२ ॥ मोहिदि
योमेरोमयोरहेजुमिलिक्रियसाथ ॥ सोम
नवाधिनदीजिहपियसोनिकेहाथ ॥ ४३
नंचीनाटकविञ्चमसरसरागरनिरंग ॥ २
मनवूडेवूडेनरेजेवूडेसवञ्चंग ॥ ४४ ॥
गिरितेऊंचेरसिकमनवूडेजहांहजार ॥
वहेसदापसुनरनकोप्रेमपयोधिपगार
॥ ४५ ॥ चटकनछोडतघटतऊसजु
ननेहगंभीर ॥ फीकोपरेनवरघटेरंग्यो
चोलरंगचीर ॥ ४६ ॥ संपतिकेसमदेस
नरनिवतडहूनिडुवानि ॥ विभवस
नरऊचनीचनरानरमविभौकीहानि ॥ ४७
नघविसमसिघनषिनएडरजनडसहमर
भाइ ॥ आरेपसिप्रानतिहरनकाहेलोल
गिजाइ ॥ ४८ ॥ जेतीसंपतिकृपनकें
नेतीसमतिजोर ॥ वढतजानमेजेउ
रजतोन्योंहोनकठोर ॥ ४९ ॥ नीचहिए
हुलसेरहेंनगहेगेदकेपोन ॥ ज्योंज्योंमा
थोमारिएत्योंत्योंऊंचोहोन ॥ ५० ॥ कोरि
जतनकीजेनऊपरेनप्रकृतिहिबीच ॥ न
लवलंनलऊंचोचहेतऊंनीचकोनीच
॥ ५१ ॥ ओछेवडेनहोसकेलगिसत
रोहेवेन ॥ दीरघहोतननेकहूफारिनि

सोरेनैन ॥ ५२ ॥ कैसेकोटेनतनैसं
सनवउनकेकाम ॥ सत्रोदमामोजान
कोमो नृहाकेनाम ॥ ५३ ॥ वसैवुगढ़ै
नामतनतनारीकोमतनमोन ॥ भलोभलो
कसिन्नादिषघोटगृहजनपदान ॥ ५४ ॥
कहेयहश्रुतिसम्रतिहयहेसघानेलोग
नीनटवावततिगमहपानकराजारो
न ॥ ५५ ॥ वडेनहजेगुनविनाविरदव
डाईपाय ॥ कहतधतूरेसोकनकगहनो
गढ्योजाय ॥ ५६ ॥ गुनीगुनीसवकेक
हेनिगुनीगुनीनहोत ॥ सुन्योकहतनर
अरककेअरकसमानउदोत ॥ ५७ ॥ स
गतिसुमतिनपाइहीपरेकुमतिकेधंध
राखोमलकपूरमेंहिंगनहोइसुगंध ॥
॥ ५८ ॥ अरेपरेषाकोकरैतुहीविलोक
विचार ॥ किहिनरकिहिसरराखिएखरै
परेपरवारि ॥ ५९ ॥ सवैहसतकर
तारदैनागरताकेनाउ ॥ गयोगरवगुन
कोसवैगएगवारगाउ ॥ ६० ॥ नरकीअ
रुनलनीरकीगतिएकैकरिजोय ॥ जेतो
नीचोहैचलैतेतोऊंचोहोय ॥ ६१ ॥ व
ढतवढतसंपतिसलिलमनसरोजव
ढिजाय ॥ घटतघटतपुनिफिरघटैव
समूलकुमिलाय ॥ ६२ ॥ जोचाहोच

रकनयरैमैलोहोइनमिन्न॥ रजराउनस
नक्षुहाउणनेहवीकनेविन्न॥ ६३ ॥ समै
समैसंदासवेह्रपक्रह्रपनकोइ॥ मनकी
ह्रविजैनीजिनैतिननेतीकविहोइ॥ ६४
सीननवीनगलीननहैजोधरिणथनजो
रि॥ घाणघावेजोजरैनोजोरिणकरोरि
॥ ६५ ॥ कनकवानवानैसोगुनोमाद्धि
नाम्नधिकाम॥ वहघाणवोगाउणपहपा
णवोगाइ॥ ६६ ॥ वुरीवुगाईजोनजैनोवि
त्रघरोइरोम्न॥ जोनिकलंकमयंकलषि
गनेलोकउनेपान॥ ६७ ॥ भावरिभ्रुनभ
वरिभपकरोकोरिवकवाद॥ आपनीआ
वनीप्रकृतिकोमिटैनसहजसवाद
॥ ६८ ॥ वहकिवड़ाईआपनीकनरा
वैमतिभूल॥ विनमधुमधुकरकेहिए
गडैनगुड़हाफूल॥ ६९ ॥ घरघरडो
लनदीनहैजनजनजाचनजाय॥ दिए
लोभचसमोचषनलघुपनिवडोलघा
य॥ ७० ॥ नोअनेकओगुनभरीचाहै
याहिवलाय॥ जोपतिसंपतिहूविनाज
दुपतिराषेजाय॥ ७१ ॥ रुवाभीजेवह
लेपरेवूडेवहेहजार॥ किनेनओगुनज
गवरैवैवेचढतीवार॥ ७२ ॥ अनो
ष्ठि॥ लोधननहरणोहिणधरीकलेहुप

जाय। परषपरै गीसी मपर परन पमु नि
केणाय ॥ ७३ ॥ मोरचंद्रिका स्याम सिर
चढ़ि कनक रनगुमान ॥ ७४ ॥ लखिबी
पायन परलुटन मुनियन राधा मान ॥ ७
॥ ७५ ॥ पायल पायलगी रहै लगौ अ
मोल कलाल ॥ भोडर हू की भासहै बें
दी भामिनि भाल ॥ ७६ ॥ वेसर मोती
धनतुही को बूझै कुलजात ॥ लीवो कर
तिय ओठ को रसनिधरक दिन रात ॥ ७
॥ ७७ ॥ अजौं तरौना ही रह्यौ श्रुति से
वत इक अंग ॥ नाक वास वेसर लह्यौ
बसि मुकतन के संग ॥ ७८ ॥ पाइन
रा निचु कउत्व पद विरि कि [illegible] योमवगा
यो ॥ छुटै रालहि हू वै [illegible] मोलव
विनाउ ॥ ७९ ॥ नागरि [illegible] विधविला
स तजि वसी गवेलनि माहि। मूढ़वि
मेगनि वी कि नहू छौरै दुठलाहि ॥ ८०
नहि पराग नहि मधुर मधु नहि विका
स इहि काल ॥ अली कली ही सौं बंध्यौ
आगे कौन हवाल ॥ ८१ ॥ प्यासे दुप
हर जेठ के थाके सबै जल सोधि ॥ मरुध
र पाइ मतीर हू मारू कहत पयोधि ॥ ८२
जिन दिन देखे वे कुसुम गई सु बीति [illegible]



